रांची, सोमवार
01.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 179, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

दिग्गज गायिका सुमन कल्याणपुर का निधन

मुंबई। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज और मधुर स्वर की धनी सुमन कल्याणपुर का रविवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से फिल्म और संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। अपने मधुर और भावपूर्ण गायन के लिए प्रसिद्ध सुमन कल्याणपुर ने हिंदी, मराठी समेत कई भारतीय भाषाओं में हजारों गीतों को अपनी आवाज दी और दशकों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया। 28 जनवरी 1937 को तत्कालीन अविभाजित भारत के ढाका में जन्मीं सुमन कल्याणपुर का मूल नाम सुमन हेम्माडी था। बचपन से ही कला और संगीत में रुचि रखने वाली सुमन ने मुंबई में शिक्षा प्राप्त की और बाद में शास्त्रीय संगीत की विधिवत प्रशिक्षण लिया। उन्होंने कई प्रतिष्ठित गुरुओं से संगीत की शिक्षा हासिल की, जिसने उनके गायन को विशिष्ट पहचान दी। सुमन कल्याणपुर की आवाज की तुलना अक्सर लता मंगेशकर से की जाती थी। उनकी स्वर-माधुरी इतनी मिलती-जुलती थी कि कई बार सामान्य श्रोता दोनों की आवाज में अंतर नहीं कर पाते थे। उन्होंने फिल्मी गीतों के अलावा भजन, गजल और भावगीतों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जनरल सुब्रमणि ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली: जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने रविवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) तथा सैन्य मामलों के विभाग के सचिव का पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्हें तीनों सेनाओं द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। चार दशक से अधिक समय तक सेना में रहकर राष्ट्र की सेवा करने वाले जनरल सुब्रमणि को दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स में नियुक्त किया गया था। उनके विशिष्ट सैन्य जीवन में अनेक महत्वपूर्ण कमान एवं स्टाफ नियुक्तियाँ शामिल रही हैं, जिनमें द्वितीय कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, केंद्रीय कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ तथा सेना के उप प्रमुख का पद शामिल है। सीडीएस का पदभार ग्रहण करने से पूर्व वह राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। इस नियुक्ति के साथ ही वह देश के तीसरे सीडीएस हो गए है। देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, और दूसरे सीडीएस जनरल अनिल चौहान रहे हैं।

कोहली के अर्धशतक से आरसीबी लगातार दूसरी बार बना चैंपियन

एजेंसी

अहमदाबाद: स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (नाबाद 75) की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को गुजरात टाइटंस को 12 गेंदें शेष रहते पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरा आईपीएल खिताब अपने नाम किया।

विराट कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टीम को खिताबी जीत दिलाई। इस जीत के साथ आरसीबी मुम्बई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद वो सिर्फ तीसरी टीम बन गई हैं जिन्होंने बैक टू बैक खिताब जीतने का कारनामा किया है। जीटी ने सिर्फ 156 रनों का लक्ष्य आरसीबी के सामने रखा। तभी ऐसा लग गया था कि यह मुकाबला आरसीबी आसानी से अपने नाम कर लेगी। हालांकि जीटी की गेंदबाजी तगड़ी थी और इसी वजह से एक कड़े मुकाबले की उम्मीद की जा रही थी लेकिन पावरप्ले में ही आरसीबी ने 70 रन बनाकर इस मैच को एकतरफा कर दिया। विराट कोहली ने 42 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 75) रनों की पारी खेली। जितेश शर्मा 11 रन बनाकर नाबाद रहे। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने पहले विकेट के लिए 62 रन जोड़कर अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। पांचवें ओवर में मोहम्मद सिराज ने वेंकटेश अय्यर को आउट कर गुजरात टाइटंस को पहली सफलता दिलाई। वेंकटेश अय्यर ने 16 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 32 रनों की पारी खेली। अगले ओवर में कगिसो रबाडा ने देवदत्त पड़िक्कल (एक) को आउट कर आरसीबी को दूसरा झटका दिया। इसके बाद नौवें ओवर में राशिद खान ने कप्तान रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पांड्या (एक) का शिकार कर लिया। 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान ने टिम डेविड को आउटकर पवेलियन भेज दिया। टिम डेविड ने 17 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (24) रन बनाये। आरसीबी ने 18 ओवरों में

पांच विकेट पर 161 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इसी जीत के साथ महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद लगातार दो बार खिताब जीतने वाली आरसीबी तीसरी टीम बन गई है। वहीं गुजरात टाइटंस की एक बार फिर से फाइनल में हार हुई। जॉश हेजलवुड के नाम एक और फाइनल, वो अभी तक टी-20 में एक भी फाइनल नहीं हारे हैं।

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में भारतीय एथलीटों, सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरण संरक्षण की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में खेल क्षेत्र में युवाओं के शानदार प्रदर्शन, प्राचीन सांस्कृतिक संपदा की वापसी, ग्रीष्मकालीन आम की विविधता, पारंपरिक देसी पेय पदार्थों, युवाओं में खगोल विज्ञान के प्रति बढ़ते उत्साह, सैनिक कल्याण में नागरिकों के योगदान, नदियों की सफाई और वन्यजीव संरक्षण जैसे अनेक प्रेरक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इन मुद्दों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक प्रयासों की भावना को भी सराहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड की शुरूआत खेल उपलब्धियों से की। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड की राजधानी रांची में हाल ही में आयोजित नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर से करीब 800 एथलीटों ने भाग लिया और चार अलग-अलग स्पधार्ओं में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए।

प्रधानमंत्री ने गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार जैसे खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की विशेष सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 मीटर दौड़ की स्पर्धा में महज दो दिनों के भीतर पुरुष वर्ग में यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने यह रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस प्रदर्शन की चर्चा हो रही है और ऐसी सफलताएं न केवल खिलाड़ियों को बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी खेल के प्रति प्रेरित कर रही हैं। उनकी मेहनत और समर्पण भारत के खेल भविष्य को उज्ज्वल बना रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों एथलीटों से बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में अपनी हालिया यूरोपीय यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि नीदरलैंड्स में एक विशेष समारोह में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस लौटाई गईं। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्र पट्टिकाएं शामिल हैं, जो मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोल प्रथम द्वारा अपने पिता राजराजा चोल के एक वचन को पूरा करने से संबंधित हैं। इन पट्टिकाओं में आनइमंगलम गांव को बौद्ध विहार को दिए गए दान का उल्लेख है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ताम्र पट्टिकाओं से चोल वंश की विशाल समुद्री शक्ति, दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के साथ उनके मजबूत व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंध तथा साम्राज्य की समृद्ध विरासत की जानकारी मिलती है। इस घटना से देशभर में गर्व की लहर दौड़ गई है और खासकर तमिल समुदाय में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। देश-विदेश से लगातार संदेश आ रहे हैं, जो भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति लोगों की गहरी लगाव को दशार्ते हैं।

प्रधानमंत्री ने आम को हर भारतीय घर की पहचान बताते हुए विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध आम किस्मों का विस्तृत जिक्र किया। उन्होंने महाराष्ट्र और कोंकण के हापुस व अलफांसो, गुजरात के केसर, उत्तर प्रदेश के दशहरी और काशी के लंगड़ा, बिहार के जदार्लू, चौसा और मालदा, दक्षिण भारत के बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल के हिमसागर तथा ओडिशा-आंध्र प्रदेश के सुवर्णरेखा का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि जगह-जगह आम का स्वाद, रंग और खुशबू बदल जाती है, लेकिन यह हमेशा गर्मियों की खुशियां लेकर आता है। आम उत्पादक किसान भाई-बहनें न केवल देश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं बल्कि वैश्विक बाजार तक भारतीय आम की पहुंच बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्रोत्साहित किया कि वे इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ें।

प्रधानमंत्री ने गर्मी की बढ़ती तीव्रता में देशवासियों से सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि तेज धूप और लू में लोग ज्यादा पानी पिएं, धूप से बचाव करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करें। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर भारत में आम पन्ना, पंजाब-हरियाणा में ठंडी लस्सी, राजस्थान-गुजरात में छाछ, बिहार-झारखंड में सत्तू का शरबत, कोंकण-गोवा में कोकम शरबत और सोल कढ़ी तथा दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना जैसे पेयों का भी जिक्र करते हुए इन पेयों को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ये पीढ़ियों के अनुभव पर आधारित हैं तथा स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

राज्य में 6 जून तक गर्जन और वज्रपात की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के अधिकांश जिलों में आगामी 6 जून तक मौसम का मिजाज बदला रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार, एक जून को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में गर्जन और वज्रपात की संभावना है। वहीं दो, तीन और चार जून को उत्तर-पश्चिमी तथा उत्तरी जिलों को छोड़कर राज्य के शेष भागों में गरज के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक, पांच जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी जिलों में तथा छह जून को उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में गर्जन और वज्रपात की संभावना बनी रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों, खुले स्थानों पर कार्य करने वाले लोगों और आम नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

इधर, पिछले दो-तीन दिनों के दौरान हुई बारिश का असर तापमान पर भी स्पष्ट रूप से देखा गया है। राज्य के कई जिलों में तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से लगभग 9 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 36.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 16.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची समेत कई जिलों में मौसम सुहावना बना हुआ है। रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से मौसम साफ रहा, जबकि दोपहर बाद आंशिक रूप से बादल छाए रहे। बादलों की मौजूदगी और हालिया बारिश के कारण लोगों को गर्मी से काफी राहत महसूस हुई।

पाकिस्तान में सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद और सिंध प्रांत की राजधानी कराची में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इन हादसों में पांच लोग घायल हो गए। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद में शनिवार को भारा काहू अथल चौक पर हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि एक तेज गति कार ने दो कारों और कई मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी।इससे सड़क पर चार लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपित चालक अपनी कार छोड़कर फरार हो गया।

एनएसए अजीत डोभाल ने म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की भारत यात्रा के दूसरे दिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रविवार को उनसे मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी।

मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा, संपर्क परियोजनाओं और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

उल्लेखनीय है कि म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग 30

मई से 3 जून तक भारत की यात्रा पर हैं। हाल ही में विवादास्पद चुनाव में जीत के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा बताई जा रही है। अपनी भारत यात्रा के दौरान वे एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे।

पश्चिम बंगाल में आज होगा मंत्रिमंडल विस्तार, 35 नए मंत्री लेंगे शपथ

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के पूर्ण मंत्रिमंडल का गठन सोमवार को होने जा रहा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि मंत्रिमंडल विस्तार के तहत 35 नए मंत्री शपथ ग्रहण करेंगे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता के जनादेश से बनी सरकार का पूर्ण मंत्रिमंडल सोमवार को आकार लेगा। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे लोक भवन में आयोजित समारोह में 35 मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल आरएन रवि उन्हें शपथ दिलाएंगे।

गौरतलब है कि, चार मई को हुए सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार राज्य में भाजपा की सरकार बनी थी। इसके बाद 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पद की शपथ ली थी। उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, निसिथ प्रमाणिक, क्षुदीराम टुडू ने भी शपथ ग्रहण किया था। तभी से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा जारी थी।

सूत्रों के अनुसार, हाल ही में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने नई दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ अलग-अलग बैठकें की थीं। इसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें तेज हो गई थीं। अब जून के पहले दिन इस प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित राज्य मंत्रिमंडल में छह सदस्य हैं। सोमवार को 35 नए मंत्रियों के शामिल होने के बाद मंत्रिमंडल की कुल संख्या 41 हो जाएगी। संविधान के प्रावधानों के अनुसार, किसी राज्य में मंत्रियों की संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में अधिकतम 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

माई भारत देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचेगा : मांडविया

एजेंसी

शिलांग। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने देश निर्माण की विभिन्न पहलों में युवाओं की अधिक सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि माई भारत कार्यक्रम को देश के प्रत्येक जिले, प्रत्येक ब्लॉक और हर युवा तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की शक्ति को राष्ट्र विकास से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है।

शिलांग स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में आयोजित दो दिवसीय चिंतन

शिविर के प्रथम दिन संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि माई भारत पहले ही 2.17 करोड़ से अधिक युवा स्वयंसेवकों को जोड़कर एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने विकासात्मक कार्यक्रमों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा अंतिम पंक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर गतिविधियों को और सशक्त बनाने पर जोर दिया।

बैठक में युवा मामले विभाग, माई भारत तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विभिन्न स्तरों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान युवाओं की सहभागिता बढ़ाने, कार्यक्रमों की प्रभावशीलता में सुधार लाने और युवा-नेतृत्व वाले विकास के सरकारी लक्ष्य को आगे बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री ने जिला युवा अधिकारियों और एनएसएस अधिकारियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि युवा विकास कार्यक्रमों की सफलता का आकलन केवल प्रतिभागियों की संख्या से नहीं, बल्कि समाज पर उनके वास्तविक प्रभाव और परिणामों के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने 26 जून से 15 अगस्त तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी नशा विरोधी अभियान में व्यापक जनभागीदारी का भी आह्वान किया।

मांडविया ने घोषणा की कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश के 150 शैक्षणिक संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि मंत्रालय देश के सभी 783 जिलों में माई भारत केंद्र स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पहले दिन की शुरूआत में केंद्रीय मंत्री ने शिलांग में माई भारत के स्वयंसेवकों के साथ रोडोडेंड्रॉन ट्रेक में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से सक्रिय जीवनशैली अपनाने, प्रकृति से जुड़ाव बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया।

देश के 27वें नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 27वें नौसेना प्रमुख के तौर पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिन्दगी का हर दिन नौसेना को बेहतर, मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाएंगे, ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि भारतीय नौसेना ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा लेवल बनाए रखे, ताकि वह देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा कर सके।

उन्होंने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि मै भारतीय नौसेना संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिस पर मेरा मुख्य फोकस होगा। भारतीय नौसेना को दुनिया में सबसे बेहतरीन प्रोफेशनल माना जाता है इसलिए सभी कर्मचारियों की भलाई, व्यावसायिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत विकास मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्व रखेंगे।' उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लिए उनकी बहुत सराहनीय और शानदार सर्विस रही है और वे बहुत ही प्रभावी सीएनएस रहे हैं। उन्होंने अपने नेतृत्व में हर मोड़ पर नौसेना को अपने गाइडेंस और विजन का फायदा दिया है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस: रांची में राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन, झारखंड को नशामुक्त बनाने पर जोर

बिभा संवाददाता

रांची: विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड द्वारा स्वास्थ्य मुख्यालय में रविवार को राज्य स्तरीय कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों को सुदृढ़ करना, विभिन्न हित धारकों के बीच समन्वय स्थापित करना और स्वस्थ एवं तंबाकू मुक्त झारखंड के निर्माण के लिए सामूहिक सहभागिता सुनिश्चित करना रहा.

कार्यक्रम के दौरान झारखंड एनएचएम के अभियान निदेशक और आईएएस अधिकारी शशि प्रकाश झा ने तंबाकू के खिलाफ जन जागरूकता का संदेश देते हुए 'धुएं से आजादी' शीर्षक से एक प्रेरणादायक कविता की प्रस्तुति मंच से की. कविता के माध्यम से उन्होंने युवाओं से तंबाकू एवं दूसरे नशों से दूर रहने समेत समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया.

अपने संबोधन में एनएचएम झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि अपने राज्य में हर साल लगभग 35,000 से 40,000 कैंसर रोगियों की पहचान होती है, जिनमें 40 से 45% मरीज मुख (ओरल) कैंसर से प्रभावित होते हैं. उन्होंने कहा कि तंबाकू सेवन मुख कैंसर का प्रमुख कारण है तथा समय रहते जागरूकता एवं रोकथाम के माध्यम से इस चुनौती पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है.

उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं बल्कि पूरे समाज का अभियान है. तंबाकू मुक्त झारखंड के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है. जिसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहिया, एएनएम, पंचायती राज संस्थाएं, ग्रामीण विकास विभाग, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं, शैक्षणिक संस्थान, नगरीय निकाय, सामुदायिक संगठन तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए.

उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति को केवल शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि आर्थिक और मानसिक रूप से भी कमजोर बनाता है. नशे के कारण व्यक्ति की कार्यक्षमता प्रभावित होती है. मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर होती है. उन्होंने लोगों से नशे की लत छोड़कर शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनने का आह्वान किया.

शशि प्रकाश झा ने दंत चिकित्सकों को तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की अग्रिम पंक्ति का योद्धा बताते हुए कहा कि हर दंत चिकित्सा इकाई को तंबाकू त्याग परामर्श एवं व्यवहार परिवर्तन संचार का प्रभावी केंद्र बनाया जाना चाहिए.

उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर को स्वास्थ्य संवर्धन एवं तंबाकू त्याग सेवाओं के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने पर भी बल दिया.

उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं एवं शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, युवा संगठनों, स्वयं सहायता समूह, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बताया कि तंबाकू नियंत्रण को जनभागीदारी आधारित जन-आंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है.

उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वह खुद तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाएं तथा समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने. स्कूल, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र एवं युवा क्लबों को इस अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने की आवश्यकता है.

डीसी और एसपी के निर्देश पर रामगढ़ जेल का हुआ औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ डीसी ऋतुराज और एसपी मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर शनिवार की रात रामगढ़ उपकारा का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कोई भी आपत्तिजनक वस्तुएं नहीं मिली। रामगढ़ एसडीपीओ आलोक रंजन, पतरातु एसडीपीओ राघवेंद्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस के द्वारा उपकारा का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें कोई भी आपत्तिजनक वस्तु नहीं पाया गया। निरीक्षण के क्रम में उपकारा में प्रतिनियुक्ति सभी पुलिस कर्मियों को सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

औचक निरीक्षण के क्रम में मुख्यालय डीएसपी अकरम रजा, रामगढ़ सीओ रमेश रविदास, दुलमी सीओ किशोरी यादव, चितरपुर सीओ दीपक मिंज, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे सहित अन्य उपस्थित थे।

नागरिकता सत्यापन प्रक्रिया पर झामुमो की बैठक, ग्रामीणों को जागरूक करने का लिया निर्णय

बिभा संवाददाता

खलारी। भारतीय नागरिकता से जुड़ी एसआईआर, बीएलए-1 एवं बीएलए-2 प्रक्रिया के संबंध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नेहरू क्लब, खलारी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड उपाध्यक्ष कलीम रिजवी ने की, जबकि संचालन कुंदन कुमार चौहान ने किया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष श्यामजी महतो ने किया।बैठक में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने नागरिकता संबंधी प्रक्रियाओं को लेकर लोगों में फैली भ्रांतियों को दूर करने तथा सही जानकारी घर-घर तक पहुंचाने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि जिन लोगों के पास भारतीय नागरिकता से जुड़े आवश्यक दस्तावेज हैं, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए झामुमो पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएगा।बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी कार्यकर्ता क्षेत्र की सभी पंचायतों में जाकर नागरिकता सत्यापन प्रक्रिया की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएंगे और जरूरतमंद ग्रामीणों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही एसआईआर, बीएलए-1 एवं बीएलए-2 प्रक्रिया के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान में भी लोगों की मदद की जाएगी।इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी जैनुल खान, मुबारक अंसारी, सुभाष प्रजापति, मो. नसीम अंसारी, अमर भोगता, सरफराज खान, राजेश प्रसाद, छोटू राम, पवन उरांव, अजमुल अंसारी, रमेश तुरी, अख्तर खान, फारुख नवाब, आशिफ अंसारी, रितम कुमारी और सुरैया परवीन समेत कई लोगों ने अपने विचार रखे।बैठक में सतीश गंझू, नेहाल कुमार, मनीषा देवी, ज्योति शर्मा, राधिका देवी, कृष्णा कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में झामुमो नेताओं ने कहा कि नागरिकता संबंधी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना कर रहे लोग पार्टी के खलारी प्रखंड कार्यालय अथवा कार्यकताओं से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

सीआईएसएफ के जाल में फंसा डीजल चोर, 60 लीटर डीजल छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

बिभा संवाददाता

खलारी। एन के क्षेत्र के डकरा खदान क्षेत्र में डीजल चोरी की एक बड़ी कोशिश को सीआईएसएफ ने नाकाम कर दिया।गुप्त सूचना के आधार पर लगाए गए विशेष एम्बुश अभियान के दौरान संदिग्ध बाइक सवार 60 लीटर डीजल से भरा जेरिकेन छोड़कर फरार हो गया।बरामद डीजल की कीमत 8,340 रुपये आंकी गई है।जानकारी के अनुसार, सीआईएसएफ के क्राइम एंड इंटेलिजेंस विंग (सीआईडब्ल्यू) को खदान क्षेत्र में डीजल चोरी की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद केडीएच चेक पोस्ट के पीछे स्थित संवेदनशील इलाके में विशेष निगरानी एवं एम्बुश लगाया गया।इसी दौरान टीम की नजर केडीएच माइंस क्षेत्र से आ रही एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पर पड़ी, जिस पर एक जेरिकेन रखा हुआ था।सीआईएसएफ जवानों ने जैसे ही बाइक चालक को रुकने का संकेत दिया, वह घबरा गया। पकड़े जाने के डर से उसने मोटरसाइकिल की रफ्तार बढ़ा दी और भागने के दौरान डीजल से भरा जेरिकेन सड़क पर फेंक दिया।इसके बाद वह भूतनगर क्षेत्र की ओर भाग निकला।सीआईएसएफ टीम ने उसका पीछा भी किया, लेकिन अंधेरे और स्थानीय रास्तों का फायदा उठाकर वह फरार होने में सफल रहा।मौके से बरामद जेरिकेन की जांच में उसमें 60 लीटर डीजल पाया गया। सीसीएल प्रबंधन के अनुसार बरामद डीजल का मूल्य 8,340 रुपये है।बाद में सीआईडब्ल्यू एवं क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए डीजल को सुरक्षित रूप से सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया।इस सफल अभियान का नेतृत्व उप निरीक्षक (कार्यपालक) अनिल कुमार राय ने किया। अभियान में शामिल सीआईएसएफ जवानों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से सरकारी संपत्ति को नुकसान होने से बचा लिया गया।

अवैध कारोबारियों पर लगातार शिकंजा

सीआईएसएफ यूनिट के कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि खदान क्षेत्रों में डीजल चोरी, कोयला तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आधुनिक तकनीक, ड्रोन निगरानी, नियमित गश्त और आसूचना आधारित अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं।उन्होंने चेतावनी दी कि राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।सीआईएसएफ की लगातार कार्रवाई से खदान क्षेत्रों में सक्रिय डीजल और कोयला तस्करों के नेटवर्क में हड़कंप मचा हुआ है तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लग रहा है।

संक्षिप्त खबरें

तोरहद के ग्रामीणों ने रोजगार को लेकर उठाई आवाज, स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग

खलारी(बिभा)। तोरहद गांव में झारखंड ग्रामीण संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में ग्रामीणों एवं युवाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के युवाओं के रोजगार और स्थानीय अधिकारों को लेकर चर्चा की गई।ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में संचालित विभिन्न कंपनियों एवं रोड सेल परियोजनाओं में आज तक स्थानीय लोगों को अपेक्षित रोजगार नहीं मिल पाया है।उन्होंने मांग किया है कि वर्तमान और भविष्य में आने वाली सभी कंपनियां स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दें।बैठक में युवाओं ने कहा कि क्षेत्र के सभी गांवों के बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिलना चाहिए।उनका कहना था कि स्थानीय संसाधनों और परियोजनाओं का लाभ सबसे पहले स्थानीय लोगों को मिलना चाहिए, ताकि क्षेत्र का समुचित विकास हो सके।झारखंड ग्रामीण संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालेश्वर गंझू उर्फ सरकार एवं कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार ने कहा कि स्थानीय युवाओं के रोजगार और अधिकारों के लिए संगठन हमेशा संघर्ष करता रहेगा।उन्होंने कंपनियों और प्रशासन से स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग की।बैठक में पवन गंझू, लालदेव गंझू, अविनाश भोगता, रोहित गंझू, जगमोहन कुमार, रोहन गंझू, विजय गंझू, रघु कुमार, जुगेश कुमार, मुकेश कुमार, महेश गंझू, अरुण कुमार, उशु कुमार, मनोज कुमार, सुलेंद्र कुमार, विक्रम कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं युवा उपस्थित रहे।

सेवा समर्पण संस्था ने जरूरतमंदों के बीच छाता, गमछा एवं लस्सी का किया वितरण

जमशेदपुर(बिभा): भीषण गर्मी को देखते हुए सामाजिक संस्था समर्पण द्वारा बागबेड़ा, टाटानगर रेलवे स्टेशन एवं बमार्माइंस क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के बीच छाता, गमछा एवं ठंडी लस्सी का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गरीब एवं असहाय लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाना इस दौरान मजदूरों, रिक्शा चालकों, सब्जी विक्रेताओं एवं अन्य श्रमिकों को छाता, गमछा और लस्सी वितरित की गई इस कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव , उपमुखिया राकेश चौबे , उपमुखिया मुकेश उपमुखिया संतोष ठाकुर , पूर्व उपमुखिया हरीश उपस्थित रहे समर्पण संस्था के अध्यक्ष बिभूति जेना, कोषाध्यक्ष चंदन कुमार, सचिव कुमुद शर्मा, मनीषा शर्मा, आकाश, सोनू, सूरज, श्रवण, सुरेश सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ सन्नी उरांव बने इटकी बारह पड़हा राजा

इटकी(बिभा) : इटकी के झाकरा टांड़ में रविवार को बीरा उरांव की अध्यक्षता में आयोजित बारह पड़हा समाज की महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से सन्नी उरांव का चयन इटकी बारह पड़हा राजा के रूप में किया गया। चयन के उपरांत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उन्हें पगड़ी पहनाकर पड़हा राजा की जिम्मेदारी सौंपी गई। पगड़ी पहनाने की रस्म के बाद समाज के लोगों ने पारंपरिक नृत्य-गान के साथ नव निर्वाचित पड़हा राजा को सरना स्थल तक पहुंचाया, जहां सामूहिक रूप से सरना पूजा एवं प्रार्थना संपन्न हुई। इसके पश्चात सम्मानपूर्वक नृत्य-गान करते हुए उन्हें उनके निवास स्थान तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति प्रोफेसर रबिन्द्र भगत उपस्थित रहे। उन्होंने समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने पर बल देते हुए नव निर्वाचित पड़हा राजा को शुभकामनाएं दीं। ज्ञात हो कि पूर्व पड़हा राजा अमन उरांव के निधन के बाद करीब एक वर्ष से इटकी बारह पड़हा राजा का पद रिक्त था। आगामी दिनों में बेड़ो के बारीडीह में आयोजित होने वाले राजकीय वार्षिक पड़हा जतरा में सहभागिता के लिए पड़हा राजा का चयन आवश्यक माना जा रहा था। बैठक में राजकुमार तिर्की, सुरेश उरांव, हरिया उरांव, सुधीर उरांव, सूरज उरांव, श्रीनाथ उरांव, अजय उरांव, सीबा उरांव, एतवा उरांव सहित पड़हा समाज के दर्जनों गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

उलीडीह में युवक की हत्या, झाड़ियों में मिला शव, परिजनों ने नशेड़ियों पर जताया शक, जांच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। उलीडीह ओपी क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक की हत्या का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। आदिवासी क्लब के समीप झाड़ियों में एक युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और चर्चा का माहौल है। मृतक की पहचान शकोसाई रोड नंबर-2 निवासी 24 वर्षीय विकास सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में विकास के सिर पर किसी धारदार हथियार से किए गए कई गहरे वार के निशान पाए गए हैं। पुलिस को आशंका है कि हत्या कहीं और करने के बाद शव को झाड़ियों में फेंका गया हो सकता है,

परिजनों ने बताया कि विकास सिंह शनिवार देर रात अपने भगिने से मिलने उलीडीह क्षेत्र गया था। मुलाकात के बाद वह घर लौटने के लिए निकला, लेकिन रात काफी बीत जाने के बाद भी घर नहीं पहुंचा। परिवार के सदस्यों ने उससे लगातार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद मिला। इसके बाद परिजन पूरी रात उसकी तलाश में जुटे रहे, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। आदिवासी क्लब के पास झाड़ियों में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। शव को देखते ही उन्होंने उसकी पहचान विकास सिंह के रूप में की। पहचान होते ही परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर शव मिला है, वहां शाम और रात के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। क्षेत्र में नशाखोरी और आपराधिक गतिविधियों की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं।

उलीडीह थाना प्रभारी एमडी शौकत अली ने बताया कि युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और जल्द ही घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस हत्या के कारणों और हत्यारों तक पहुंचने के लिए तकनीकी तथा वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

तैलिक साहू महासभा की आमसभा में राकेश साहू पुनः बने जिला अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। एग्रिको मैदान के समीप स्थित एग्रिको क्लब हाउस में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की आमसभा का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संचालन समिति के माध्यम से राकेश साहू को एक बार फिर जिला अध्यक्ष चुना गया। इससे पहले आमसभा उस समय विवादों में घिर गई जब बैठक के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। संचालन समिति में प्रमुख रूप से प्रमोद गुप्ता, डॉ. ऋषिकेश कुमार, चंद्रिका प्रसाद और रामगोपाल जायसवाल सहित अन्य सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पारित कर राकेश साहू के नाम पर मुहर लगाई गई। उनके पुनः जिला अध्यक्ष चुने जाने पर उपस्थित सभी सदस्यों ने उन्हें माला पहनाकर, मुंह मीठा कराकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महासभा के महामंत्री पप्पू साहू, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवलोचन साहू, रंजीत कुमार, अशोक साहू, प्रवीण साहू, सागर साहू, प्रहलाद साहू, शैलेंद्र कुमार सहित महिला अध्यक्ष पूजा साहू, राजेश प्रसाद, भोला प्रसाद, संजय साहू, कमलेश साहू, रेणु कुमारी, मनोज साहू, अशोक साहू, प्रवीण कुमार एवं सभी क्षेत्रीय अध्यक्ष उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष राकेश साहू ने आरोप लगाया कि आमसभा में कुछ बाहरी लोगों को शामिल किया गया था, जिसका उनके समर्थकों ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि उनके टीम ने ऐसे लोगों को बाहर करने की मांग की, जो लंबे समय से समाज से जुड़े नहीं थे। पूर्व अध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद पर निशाना साधते हुए राकेश साहू ने आरोप लगाया कि अपने कार्यकाल का एक रुपये का भी हिसाब समाज को नहीं दिया गया और लोगों को गुमराह किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में ऐसे लोगों को समाज से बाहर करने की मांग की जाएगी। राकेश साहू ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ पदाधिकारी अपने परिजनों और रिश्तेदारों को मनमाने तरीके से पद देना चाहते हैं, जिसका उनके समर्थकों ने विरोध किया। विवाद बढ़ने पर संचालन समिति ने प्रस्ताव वापस ले लिया और स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। हालांकि तनावपूर्ण माहौल के बीच दोनों पक्षों की ओर से एक-एक अध्यक्ष चुने जाने की बात सामने आई। राकेश साहू ने कहा कि पिछले छह वर्षों में उन्होंने समाज को मजबूत करने के लिए हजारों कार्यक्रम किए हैं, लेकिन कुछ लोग संगठन में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे इस मुद्दे को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी से मिलकर साहू समाज में पारदर्शी चुनाव कराने की मांग करेंगे, क्योंकि वर्तमान में चुनाव प्रक्रिया के बजाय नामांकन के आधार पर निर्णय लेने का विरोध किया जा रहा है।

हत्या कांड के आरोपियों के परिवार को गांव से हटाने की मांग, राय बस्ती में ग्रामीणों की बैठक

बिभा संवाददाता

खलारी: चर्चित हत्या कांड के बाद राय बस्ती में रविवार को ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक का मुख्य उद्देश्य हत्या मामले के नामजद आरोपियों के परिवार के गांव में रहने को लेकर ग्रामीणों के बीच उत्पन्न असंतोष और चिंता पर चर्चा करना था।बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।बैठक के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि हत्या की घटना के बाद गांव का माहौल पूरी तरह बदल गया है।लोगों में आक्रोश के साथ-साथ असुरक्षा की भावना भी बनी हुई है।ग्रामीणों का कहना था कि जिस मामले ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया,उसके आरोपियों के परिवार के गांव में रहने से सामाजिक तनाव की स्थिति बनी हुई है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरोपियों के परिवार को गांव से बाहर करने अथवा इस संबंध में आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक पहल की जाए,ताकि गांव में शांति और सामाजिक सौहार्द कायम रह सके।ग्रामीणों का कहना था कि वे किसी प्रकार के विवाद या टकराव के पक्षधर नहीं हैं,लेकिन गांव में सामान्य माहौल बहाल करने के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गांव की एकता और सामाजिक समरसता को बनाए रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता है।यदि समय रहते प्रशासन ने ग्रामीणों की मांगों पर उचित विचार नहीं किया, तो गांव के लोग लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

इस दौरान ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से गांव में शांति, भाईचारा और सामाजिक अनुशासन बनाए रखने का संकल्प लिया। साथ ही ग्राम सभा के निर्णयों का सम्मान करने तथा गांव के हित से जुड़े मुद्दों पर सामूहिक रूप से आगे बढ़ने की बात कही।बैठक के अंत में ग्रामीणों ने प्रशासन से हत्या कांड से जुड़े पूरे मामले में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग दोहराई। साथ ही स्पष्ट किया कि गांव की शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए वे संगठित रूप से अपनी मांगों को आगे भी उठाते रहेंगे।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई, टाटानगर स्टेशन पर मोबाइल चोर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्टेशन परिसरों में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत टाटानगर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई में एक मोबाइल चोर को चोरी किए गए मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) चक्रधरपुर मंडल और रेल पुलिस जमशेदपुर के निर्देश पर रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में टाटानगर रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही थ सूचना मिलते ही आरपीएफ टाटा और जीआरपी टाटा की संयुक्त टीम सक्रिय हो गई और मामले की जांच शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की गई, जिसके बाद संयुक्त छापेमारी और तलाशी अभियान चलाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और रेलवे परिसर में अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन का आदिवासियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ने देंगे : बंधु

बिभा संवाददाता

रांची। रांची प्रेस क्लब सभागार में रविवार को परिसीमन का आदिवासी समाज पर प्रभाव और संभावित समाधान विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, कानूनी विशेषज्ञों और विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं परिसीमन के संभावित प्रभावों पर गंभीर मंथन किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री और झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड में लोकसभा एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का आदिवासी समाज पर कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि परिसीमन की प्रक्रिया के माध्यम से अनुसूचित जनजातियों के लिए सुरक्षित सीटों की संख्या में कटौती करने का कोई प्रयास किया गया तो उसका पुरजोर लोकतांत्रिक विरोध किया जाएगा।

परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा कि परिसीमन को केवल निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जा सकता। झारखंड जैसे आदिवासी बहुल राज्य में यह विषय सीधे-सीधे अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संवैधानिक अधिकारों, पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक भागीदारी से जुड़ा हुआ है।

वक्ताओं ने कहा कि यदि परिसीमन प्रक्रिया में केवल जनसंख्या को आधार बनाया गया तो आदिवासी बहुल क्षेत्रों की राजनीतिक हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है, जिससे संविधान की ओर से प्रदत्त प्रतिनिधित्व की भावना कमजोर पड़ने का खतरा उत्पन्न होगा। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल संख्या आधारित प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि ऐतिहासिक रूप से वंचित और संवेदनशील समुदायों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना भी है।

सेमिनार में वक्ताओं ने कहा कि यह चिंता कोई काल्पनिक आशंका नहीं है। वर्ष 2002 में गठित परिसीमन आयोग ने 2001 की जनगणना के आधार पर झारखंड में अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों में कटौती का प्रस्ताव दिया था। आयोग की अनुशंसा के अनुसार विधानसभा में एसटी आरक्षित सीटों की संख्या 28 से घटाकर 22 और लोकसभा में 05 से घटाकर 04 करने का सुझाव दिया गया था।

इस प्रस्ताव के विरुद्ध पूरे झारखंड में व्यापक जनआंदोलन खड़ा हुआ। आदिवासी समाज, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर इसका विरोध किया और यह सवाल उठाया गया कि विकास परियोजनाओं, विस्थापन, पलायन एवं ऐतिहासिक उपेक्षा का दंश झेल रहे समुदाय को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कटौती की सजा क्यों दी जाए।

आंदोलन के दबाव और जनभावनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप किया।

सेमिनार से उभरीं प्रमुख मांगें

-झारखंड में अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित विधानसभा एवं लोकसभा सीटों में किसी भी प्रकार की कटौती स्वीकार नहीं की जाएगी।

-यदि भविष्य में लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाई जाती है तो अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या भी समानुपातिक रूप से बढ़ाई जाए।

-पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों की भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को सुरक्षित रखते हुए परिसीमन किया जाए।

-इसके साथ ही आगामी 2 अगस्त को रांची में आदिवासी एकता महाजुटान रैली आयोजित करने का निर्णय लिया गया। रैली की तैयारी के लिए गठित समिति में ग्लैडसन डुंगडुंग, शशि पन्ना और अनिल अमिताभ पन्ना को सदस्य बनाया गया।

विविध आदिवासी मुद्दों पर दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक रणनीति तैयार करने के लिए दयामनी बारला और वासवी किड़ो की दो सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 17 जून को रांची में सभी राजनीतिक दलों की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें परिसीमन से जुड़े जनजातीय समाज के मुद्दों और चिंताओं को प्रमुखता से रखा जाएगा।

कार्यक्रम में लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत, पूर्व मेयर रमा खलखो, सामाजिक कार्यकर्ता दयामनी बारला, वासवी किड़ो, ग्लैडसन डुंगडुंग, आदिवासी नेता शशि पन्ना, सोशल एक्टिविस्ट और आदिवासी नेता अनिल अमिताभ पन्ना, अधिवक्ता सुभाशीष सोरेन सहित अन्य शामिल थे।

झारखंड सरकार पर भाजपा के आरोप निराधार और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित : विनोद पांडेय

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राज्य सरकार पर लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को निराधार, तथ्यहीन और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास और जनकल्याण की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिससे विपक्षी दलों में बेचैनी बढ़ी है और वे सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे हैं।

रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास, सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। इसके बावजूद भाजपा जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठा रही है और भ्रामक माहौल बनाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर आरोप लगाने से पहले भाजपा को केंद्र सरकार की नीतियों और उनके प्रभावों पर भी जवाब देना चाहिए। उनके अनुसार भाजपा के नेता और प्रवक्ता विभिन्न आंकड़ों और दावों के माध्यम से जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि वास्तविक जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने से बच रहे हैं।

झामुमो महासचिव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का हवाला देकर लंबे समय से आम लोगों पर आर्थिक बोझ डाला जाता रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब वैश्विक स्तर पर कीमतों में कमी आती है, तब उसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं पहुंचाया जाता। उन्होंने कहा कि महंगाई और बढ़ती लागत का सीधा असर आम लोगों की जिंदगी पर पड़ रहा है।

विनोद कुमार पांडेय ने दावा किया कि राज्य सरकार रोजगार, शिक्षा, ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के पास जनता के मुद्दों पर कोई ठोस और सकारात्मक एजेंडा नहीं बचा है, इसलिए वह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति पर निर्भर है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य की जनता राजनीतिक बयानों और वास्तविक कार्यों

भाजपा अनीता देवी हत्याकांड पर राजनीति बंद करे, दोषियों को बचाने वालों का इतिहास जनता जानती है : कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी द्वारा बेरमो की दिवंगत अनीता देवी के दुखद निधन को लेकर की जा रही बयानबाजी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, भ्रामक और राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है प्रदेश कांग्रेस के मिडिया प्रभारी राकेश सिन्हा नें कहा एक संवेदनशील घटना पर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के बजाय भाजपा इसे राजनीतिक हथियार बनाकर अपनी खोई हुई जमीन तलाशने का प्रयास कर रही है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाऊरी के आरोपों को पूरी तरह निराधार, तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण करार देती है। सिन्हा ने कहा की जिस भाजपा को आज कानून-व्यवस्था की चिंता सताने लगी है, वही भाजपा देशभर में दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों पर चुप्पी साध लेती है। झारखंड की जनता भाजपा के इस दोहरे चरित्र को भली-भांति पहचानती है।सिन्हा ने कहा की जब भाजपा के शासन में एक पिता अपनी बेटी के लिए न्याय मांग रहा रहा तब उसे दुत्कार के भगा दिया गया जब तब अमर बाउरी कहाँ थे

कांग्रेस स्पष्ट करना चाहती है कि अनीता देवी प्रकरण में राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है तथा जांच जारी है। यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे उसका राजनीतिक या सामाजिक प्रभाव कितना भी बड़ा क्यों न हो।

भाजपा द्वारा स्थानीय विधायक, प्रशासन और कांग्रेस पार्टी पर लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक हताशा का परिणाम हैं। भाजपा को यह बताना चाहिए कि वह किस आधार पर जांच पूरी होने से पहले लोगों को दोषी घोषित कर रही है। क्या भाजपा न्यायिक प्रक्रिया और कानून के शासन में विश्वास नहीं रखती?

भाजपा नेताओं द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को ₹बंधुआ मजदूर₹ कहना न केवल संवैधानिक संस्थाओं का अपमान है बल्कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास भी है। कांग्रेस ऐसे गैर-जिम्मेदाराना और असंसदीय बयानों की कड़ी निंदा करती है। सच्चाई यह है कि भाजपा के पास जनता के बीच उठाने के लिए कोई जनहित का मुद्दा नहीं बचा है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक असमानता जैसे सवालों पर जवाब देने के बजाय भाजपा हर संवेदनशील घटना पर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यालय में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मन की बात कार्यक्रम को सुना

रांची(बिभा) : हरमू स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण को पूरे उत्साह के साथ सुना। इस दौरान मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह मौजूद थे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के द्वारा हर बार देशवासियों को कई प्रकार की प्रेरणादायी बातें बताई जाती हैं। कार्यक्रम में उन्होंने बढ़ती गर्मी एवं हीटवेव की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए देशवासियों से सतर्क एवं सजग रहने का आग्रह किया। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, स्वयं को हाइड्रेट रखने, जरूरतमंद लोगों की सहायता करने तथा पशु-पक्षियों के लिए भी जल की व्यवस्था सुनिश्चित करने का संदेश दिया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में रांची में आयोजित नेशनल फेडरेशन कप में भारतीय एथलीट गुरिंदरवीर सिंह के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उल्लेख कर सामान्य एवं मध्यमवर्गीय परिवारों से आने वाले खेल प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर भी बल दिया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाऊरी एवं मनोज सिंह सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रांची जिला नेटबॉल संघ के तत्वाधान में समर कैम्प का समापन

रांची(बिभा): रांची जिला नेटबॉल संघ के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (समर कैम्प) का समापन मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम रांची में किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में रांची जिला के मीडिया प्रभारी सह अभिभावक चंचल भट्टाचार्य एवं रांची जिला नेट बॉल संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, सचिव तारा तिर्की, अकाश रॉय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे । श्री भट्टाचार्य के द्वारा बताया गया कि खेल जीवन में कितना महत्वपूर्ण है एवं आपके जीवन में क्या सहयोग करता है इस विषय पर आशीर्वचन दिए । नेट बॉल संघ के अध्यक्ष श्री प्रसाद के द्वारा शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन जीवन में कितना महत्वपूर्ण है इसके बारे में बताते हुए समर कैंप की समाप्ति का घोषणा किये। इस समापन समारोह में पंकज टोप्पो, सचिन लोहार एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी में रानी कच्छप, मेघा टोपनो, श्रद्धा तिर्की, श्री अरुण कुमार, लालू कच्छप उपस्थित थे ।

17 वर्षीय लड़की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई लापता, इंस्टाग्राम पर रहती थी काफी सक्रिय

रांची(बिभा)। जिले के लालपुर थाना क्षेत्र से एक 17 वर्षीय लड़की संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। घटना के बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता के पिता ने बताया कि (29 मई) सुबह करीब 11 बजे सिमरन बिना किसी को कुछ बताए घर से कहीं निकल गई, जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटी, तो परिजनों को चिंता हुई और परिजनों ने अपने स्तर पर सगे-संबंधियों, दोस्तों और आस-पड़ोस में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं भी कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसके बाद थक-हारकर लड़की के पिता ने इस संबंध में लालपुर थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर अपनी बेटी की सुरक्षित खोजबीन करने की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, सिमरन अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ कर गई है, जिससे उससे संपर्क कर पाना नामुमकिन हो रहा है, इसके अलावा, वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी काफी सक्रिय रहती थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और लड़की के इंस्टाग्राम अकाउंट व अन्य संभावित सुरागों के जरिए उसकी तलाश में जुट गई है।

बेरमो की गर्भवती महिला अनीता देवी हत्याकांड के मुख्य सरगना की हो अविलंब गिरफ्तारी : बाऊरी

बिभा संवाददाता

रांची : बोकारो जिले के बेरमो की 4 माह की एक गर्भवती महिला अनीता देवी की निर्मम हत्याकांड को लेकर झारखंड भाजपा के तेवर काफी तल्ख हैं। भारतीय जनता पार्टी इस मामले को लेकर काफी गंभीर है और प्रदेश भाजपा इस मामले को अंजाम तक पहुंचाने को लेकर प्रतिबद्ध दिख रही है। इसी मामले को लेकर पार्टी के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय रांची में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा है कि उक्त मामले में भारतीय जनता पार्टी के दबाव में आनन फानन में पुलिस द्वारा 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है जो नाकाफी है। राज्य सरकार, स्थानीय डीसी, एसपी, स्थानीय कांग्रेस विधायक के इशारे पर मामले को मैनेज करने का हरसंभव प्रयास किया गया और जब भाजपा ने बोकारो चक्का जाम का अल्टीमेटम दिया तब स्थानीय पुलिस कुछ नामजद लोगों की गिरफ्तारी दिखाकर अपना दामन बचाने का असफल प्रयास कर रही है।

श्री बाउरी ने कहा कि इस मामले में शामिल मुख्य सरगना को अविलंब गिरफ्तार करने, पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपए मुआवजा देने, इस घटना में शामिल दोषी पुलिस अधिकारी एवं निष्पक्ष पोस्टमार्टम प्रक्रिया को खराब करने, उसमें बाधक बनने वाले मेडिकल कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भाजपा करती है। साथ ही भाजपा ने बोकारो के डीसी, एसपी, स्थानीय थानों की भूमिका की जांच की भी मांग की है। कहा कि यहां के पूरे तंत्र और संगठित गिरोह की जांच होनी चाहिए जो कांग्रेस पार्टी और उनके विधायक के संरक्षण में राज्य सरकार की देख रेख में फल फूल रहा है।

प्रदेश महामंत्री ने कहा कि बीजेपी इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी ताकत के साथ खड़ी है। पार्टी के लोग एक जून को फिर पीड़ित परिवार से मिलने जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने साफ कहा है कि इस लड़ाई को अंजाम तक लेकर जाएंगे और जरूरत पड़ी तो अनुसूचित जाति आयोग को भी लिखित रूप से सूचित किया जाएगा।

श्री बाउरी ने कहा कि बोकारो में सरकार और पुलिस प्रशासन के संरक्षण में एक संगठित गिरोह चल रहा है जिसमें कई सफेदपोश भी शामिल हैं। इस गिरोह के लोग गरीबों को मोहरा बनाकर अपनी रोटी सेंकने का काम कर रहे हैं। बेरमो की यह घटना उसी का वीभत्स चेहरा है।

इस दौरान प्रदेश मीडिया सह प्रभारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज एवं एससी मोर्चा के प्रवक्ता राकेश भी प्रेसवार्ता के दौरान

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ईएसआईसी अस्पताल में जागरूकता अभियान, चिकित्सकों ने कहा - तंबाकू छोड़ो, कैंसर को तोड़ो

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ईएसआईसी अस्पताल, रांची में मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने लोगों को तंबाकू से होने वाली गंभीर बीमारियों के प्रति सचेत करते हुए इसके सेवन से दूर रहने की अपील की। अस्पताल के दंत विभाग की चिकित्सक डॉ. रिचा बहादुर ने बताया कि तंबाकू का सेवन शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक है और इससे मुंह, गले तथा फेफड़ों के कैंसर समेत कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते तंबाकू की आदत छोड़ देना ही बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी है। वहीं डॉ. अभिषेक गुप्ता ने कहा कि युवाओं में तंबाकू सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि कई युवा फैशन, दिखावे या शौक के तौर पर तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल शुरू करते हैं, जो धीरे-धीरे लत का रूप ले लेता है। उन्होंने अभिभावकों और समाज से युवाओं को इस बुरी आदत से बचाने के लिए जागरूक करने का आह्वान किया।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की डॉ. कश्मीरा जिलानी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि न केवल स्वयं तंबाकू से दूर रहें, बल्कि दूसरों को भी इसकी आदत न लगने दें। चिकित्सकों ने बताया कि तंबाकू सेवन से कैंसर के अलावा उच्च रक्तचाप, पक्षाघात (फालिज), पेट का अल्सर, मुंह के घाव तथा फेफड़ों के सिकुड़ने जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने तंबाकू छोड़ो, कैंसर को तोड़ो का संकल्प लिया और समाज को तंबाकूमुक्त बनाने का संदेश दिया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची: रांची विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

यह रैली विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर से प्रारंभ होकर अल्बर्ट एक्का चौक, शहीद चौक, विश्वविद्यालय मुख्यालय मुख्य द्वार होते हुए पुनः विश्वविद्यालय परिसर तक निकाली गयी। रैली का उद्देश्य तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. किशोर सुरिन एवं मारवाड़ी महाविद्यालय, रांची के कार्यक्रम पदाधिकारी अनुभव चक्रवर्ती के नेतृत्व में , जेवियर कॉलेज, मारवाड़ी महाविद्यालय, गोस्सनर कॉलेज, निर्मला कॉलेज, रांची महिला महाविद्यालय, राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय, आदि के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस रैली को रिकेष कुमार भारद्वाज, अभिषेक, अनिश, रिचा, लक्की, अंकित आदि ने संभाला।

इस अवसर पर तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 पर आइए हमसब संकल्प लें- तंबाकू मुक्त जीवन अपनाएँ, स्वस्थ और खुशहाल भविष्य बनाएं।

जनगणना प्रपत्र में ओबीसी के लिए पृथक कॉलम जोड़ने और 27% आरक्षण की बहाली को लेकर शौण्डिक संघ ने सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश शौण्डिक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने आगामी राष्ट्रीय जनगणना 2026-27 के प्रपत्र एवं डिजिटल ऐप में एससी और एसटी की तर्ज पर ओबीसी वर्ग के लिए भी तत्काल पृथक कॉलम/टिक-बॉक्स जोड़ने की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस सिलसिले में संघ ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर झारखंड प्रदेश शौण्डिक संघ के महासचिव विद्याधर प्रसाद, संयोजक उदय साहू, कार्यकारिणी सदस्य उपेन्द्र प्रसाद साहू सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ज्ञापन में मांग की गई है कि देश की लगभग 52% आबादी वाले ओबीसी वर्ग की सही गणना के बिना उनके लिए सही नीतियां और योजनाएं बनाना असंभव है। इसलिए जनगणना के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण) के प्रपत्र में ओबीसी का अलग कॉलम जोड़ा जाए।

संघ ने ध्यान आकर्षित कराया कि इंद्रा साहनी केस (1992) सहित झारखंड, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के निकाय व पंचायत चुनावों में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रिपल टेस्ट (ओबीसी की सही संख्या और पिछड़ेपन का डेटा) को अनिवार्य माना है। बिना पृथक गिनती के इस आदेश का पालन संभव नहीं है।

साथ ही झारखंड गठन के समय ओबीसी को मिलने वाले 27% आरक्षण को सटीक आंकड़ों के अभाव में घटाकर 14% कर दिया गया था, जिससे राज्य के 7 जिलों में ओबीसी आरक्षण शून्य हो गया है। संघ ने इसे पुनः 27% करने और जनसंख्या के अनुपात में लागू करने की मांग की है।

शैक्षणिक व आर्थिक नुकसान से बचने के लिए छात्रवृत्ति, हॉस्टल और कोचिंग बजट को सही जनसंख्या के आधार पर तय करना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही ओबीसी के लिए पदोन्नति में आरक्षण, क्रीमी लेयर की विसंगतियों को दूर करने तथा एक स्वतंत्र ओबीसी मंत्रालय के गठन की भी मांग रखी गई है।

प्रतिनिधिमंडल ने नेताओं से आग्रह किया कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए इस गंभीर विषय को भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री के समक्ष नीतिगत हस्तक्षेप हेतु मजबूती से उठाया जाए, ताकि ओबीसी समाज को उनका संवैधानिक हक और न्याय मिल सके।

मुक्ति संस्था ने 36 अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

राँची। सामाजिक संगठन मुक्ति संस्था के द्वारा रिम्स मोर्चरी में महीनों से रखे 36 अज्ञात शवों का पूरे विधि-विधान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ जुमार नदी के तट पर अंतिम संस्कार किया गया। रविवार की सुबह मुक्ति संस्था के सदस्य हमेशा की तरह अपने सेवा भाव के साथ रिम्स के मोर्चरी गृह (शवदाह गृह) पहुंचे, वहां से सभी 36 अज्ञात शवों को पूरे आदर के साथ बाहर निकाला गया, इसके बाद सभी शवों को उचित तरीके से पैक कर, पूरे सम्मान के साथ वाहनों के जरिए जुमार नदी के तट पर ले जाया गया। जुमार नदी के तट पर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी गरिमा के साथ शुरू हुई, इस पूरे सेवा कार्य और अंतिम संस्कार के मौके पर मुक्ति संस्था के कई समर्पित सदस्य नदी तट पर उपस्थित रहे, सभी सदस्यों ने शारीरिक दूरी और मयार्दा का पालन करते हुए इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।

झामुमो की जनहितकारी नीतियों और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों पर बढ़ रहा जनता का विश्वास : उमाकांत

बिभा संवाददाता

चास। चास प्रखंड अंतर्गत कोलबेंदी ग्राम के दर्जनों लोगों ने भारतीय जनता पार्टी का दामन छोड़कर विधायक उमाकांत रजक के नेतृत्व में कुशमा में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण की। सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए विधायक श्री रजक ने उन्हें माला पहनाकर सदस्यता दिलाई।

इस अवसर पर विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की जनकल्याणकारी नीतियों, संगठन की जनपक्षधर सोच तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर लगातार लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। यह जनता के बढ़ते विश्वास और सरकार के कार्यों की स्वीकृति का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा गरीब, मजदूर, किसान, आदिवासी, मूलवासी एवं वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पार्टी प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में और अधिक लोग झामुमो की विचारधारा से जुड़कर झारखंड के विकास को नई गति देंगे।

सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से बहादुर बाउरी, संतोष बाउरी, नंदलाल बाउरी, गाणु बाउरी, जितेन बाउरी, राकेश कुमार बाउरी, सूरज कुमार बाउरी, रोहित कुमार बाउरी एवं बाकू बाउरी सहित अनेक साथी शामिल रहे।

विधायक श्री रजक ने सभी नए सदस्यों का पार्टी परिवार में स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया तथा जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।

मौके पर जयंत कुमार सिंह देव,अमृत बाउरी,मिहिर बाउरी,दुर्योधन सिंह चौधरी,अरुण सिंह देव,अशोक सिंह देव,सोमनाथ बनर्जी, शंकर सिंह देव,अमर देवघरिया,बिंदेश्वर बाउरी,सजल गोइ,शिवपूजन सिंह देव, प्रकाश शर्मा, दामोदर महतो, मंटू गोप सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

नाबालिग अपहरण कांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

रांची के अरगोड़ा से सकुशल बरामद हुई किशोरी, भेजा गया जेल

बिभा संवाददाता

गोमिया (बोकारो)। सोमवार को चतरोचट्टी थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण मामले का त्वरित खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपहत किशोरी को रांची के अरगोड़ा क्षेत्र से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के कढ़मा गांव निवासी प्रीतम महतो ने अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण की शिकायत थाना में दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने 26 मई को चतरोचट्टी थाना कांड संख्या 28/2026 दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बोकारो द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तकनीकी साक्ष्य एवं मानवीय सूचना के आधार पर गठित विशेष टीम ने रांची के अरगोड़ा क्षेत्र में छापेमारी कर नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया। साथ ही मामले के नामजद आरोपी नकुल कुमार महतो (28 वर्ष), पिता सोमर महतो, निवासी जरकुंडा, थाना चतरोचट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया।

चतरोचट्टी थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया है तथा आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक अनुप रंजन बाखला, हवलदार गंगा राम बानरा, आरक्षी अजय मेहता, पारस कुमार वर्मा, किशोर कुमार महतो तथा चालक नागेन्द्र महतो शामिल थे।

पुलिस की इस त्वरित एवं सफल कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

प्रेस दिवस पर पत्रकारों को सम्मानित किया बोकारो रोटरी ने

बोकारो(बिभा)। प्रेस दिवस के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने शनिवार को देर शाम परिचर्चा सह सम्मान समारोह आयोजित कर पत्रकारों को सम्मानित किया। सेक्टर चार स्थित रोटरी प्ले स्कूल के पॉल हैरिसन हॉल में इस आयोजन की शुरूआत अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह के द्वारा सभी उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ की गई। सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने बताया कि यद्यपि प्रेस डे आधिकारिक रूप से 3 मई को मनाया जाता है, किन्तु कुछ अपरिहार्य कारणों से इसे 30 मई को मनाया गया। बावजूद इसके, कार्यक्रम की भावना और उद्देश्य यथावत रहे और इसे पूरे सम्मान के साथ आयोजित किया गया। उन्होंने रोटरी के मूल मंत्र स्वार्थ से ऊपर सेवा पर प्रकाश डालते हुए मीडिया की निष्पक्ष और जिम्मेदार रिपोर्टिंग की सराहना की, जो समाज में जागरूकता फैलाने और विश्वास कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस वर्ष के वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम डे की थीम शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण पर रोटेरियन चंद्रमा राय का संबोधन अत्यंत ज्ञानवर्धक, रोचक एवं प्रभावशाली रहा, जिसका समापन उन्होंने एक सार्थक कविता के साथ किया। मीडिया प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए। जिसमें मुख्य वक्ताओं में राम प्रवेश ने पत्रकारिता के महत्व पर जोर देते हुए भ्रामक सूचनाओं से बचने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला, रजत नाथ ने हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूरे होने पर प्रकाश डाला, विजय कुमार झा ने कहा कि सजग और जिम्मेवार पत्रकारिता समय की मांग है एवं राहुल शर्मा ने कहा सकारात्मक मीडिया समाज को सही दिशा दिखता है। सभी मीडिया प्रतिनिधियों को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने 18 जुलाई को आयोजित होने वाले आगामी प्रोजेक्ट गिफ्ट ऑफ लाइफ के लिए मीडिया से सहयोग का आग्रह किया। इस पहल के अंतर्गत 6 माह से 18 वर्ष तक के जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क उपचार (ऑपरेशन, यात्रा, आवास एवं भोजन सहित) किया जाएगा।

सेक्टर-2 मनसा देवी मंदिर में रोहिणी पूजा धूमधाम से मनाई गई

बोकारो(बिभा) । सेक्टर-2 स्थित मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट द्वारा शनिवार को मंदिर प्रांगण में रोहिणी पूजा भव्य रूप से संपन्न हुई। प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी पूजा-आरती में भारी संख्या में श्रद्धालु और ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन का संचालन ट्रस्ट द्वारा समन्वित ढंग से किया गया और पूजा-समारोह में धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन तथा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट के प्रधान व अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पूजा में सक्रिय भागीदारी निभाई। स्थानीय नागरिकों ने आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि ट्रस्ट द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ त्योहार को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। आयोजन स्थल पर सुरक्षा व सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया तथा पूजा के सफल समापन के बाद उपस्थित लोगों का प्रसाद वितरण किया गया। ट्रस्ट ने आने वाले समय में इसी प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम जारी रखने की बात भी कही है।

युवक 24 घंटे से लापता, कपड़ा व मोटरसाइकिल लावारिस हालत में बरामद

बोकारो (चंद्रपुरा)(बिभा)। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के भंडारीदह आवासीय कॉलोनी निवासी विकास कुमार सिंह 30 मई की दोपहर से लापता हैं। परिवार ने बताया कि विकास का मोबाइल भी बंद दिखा रहा है और अब तक उसकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है, जिससे परिजन चिंतित हैं। परिवार के सदस्यों ने कहा कि उन्हें विकास की हर संभावित जगह पर तलाश की है, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा। स्थानीय लोगों के सूचना देने पर विकास के कपड़े और उनकी मोटरसाइकिल राजाबेड़ा रेलवे पुल के पास लावारिस हालत में मिले। कपड़े व वाहन मिलने के बाद परिजन किसी अनहोनी की आशंका जाहिर कर रहे हैं और वे पुलिस से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार ने मामले की शिकायत चंद्रपुरा थाना को दी। थाना पुलिस ने बताया कि प्राथमिक रूप से रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज तथा फोन की लोकेशन सहित अन्य जानकारियों की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि हर सम्भव पहल करते हुए बुधवार/शुक्रवार (तारीख जोड़ें) तक घटनास्थल की पुष्टि एवं साक्ष्यों की जाँच की जा रही है। स्थानीय लोग व परिजन विकास के सुरक्षित मिलने के लिए लोगों से भी अपील कर रहे हैं कि यदि किसी के पास विकास की जानकारी हो या उन्होंने उसे देखा हो तो तुरंत चंद्रपुरा थाना या परिजनों को सूचित करें।

बेरमो में पड़ोसियों के विवाद में महिला की पीट-पीटकर हत्या, 6 आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बेरमो (बोकारो)। बेरमो थाना क्षेत्र के 5 नं० चौड़ा में आपसी विवाद में पड़ोसियों ने एक महिला को पीट-पीटकर मार डाला। घटना 29 मई 2026 की रात करीब 9:00 बजे की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

5 नं० चौड़ा निवासी अनिता देवी, पति महेश भुईयाँ का पड़ोसी बबलु कुमार, सुरेन्द्र भुईयाँ, विरेन्द्र कुमार भारती, राहुल दिगार, धिरेन भुईयाँ और राजेश कुमार समेत अन्य लोगों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान अनिता देवी गंभीर रूप से जख्मी हो गईं।

परिजन तुरंत अनिता देवी को ढोरी स्थित रीजनल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव की विधिपूर्वक मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट भेजा गया। 30 मई को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतका के पति महेश भुईयाँ के आवेदन पर बेरमो थाना में केस दर्ज किया गया। वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने छापेमारी कर 6 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें बबलु कुमार , सुरेन्द्र भुईयाँ, विरेन्द्र कुमार भारती, राहुल दिगार,धिरेन भुईयाँ और राजेश कुमार शामिल हैं।

बेरमो थाना प्रभारी ने बताया कि शेष नामजद आरोपियों के खिलाफ अनुसंधान और छापेमारी जारी है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

चास व चीरा चास में पुलिस ने चलाया मोटरसाइकिल फ्लैग मार्च, शराबबंदी और शांति पर खास निगरानी

बोकारो(बिभा) : पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देशन में चास एवं चीरा चास थाना की पुलिस ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधिक गतिविधियों पर सख्त पैनी रखने के उद्देश्य से शनिवार को मोटरसाइकिल फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व चास एसएससी वेंदत शंकर ने किया। पुलिस ने चास के 12 मोड़ व नया मोड़ सहित थाना क्षेत्र की शराब दुकानों तथा आसपास के होटलों में छापेमारी कर वहां सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों को चेतावनी देते हुए खदेड़ा। आयोजन के दौरान जोधाडीह मोड़, तेलगडिया से चीरा चास होते हुए भर्रा बस्ती व मुस्लिम मोहल्ला तक फ्लैग मार्च किया गया। चास एसएससी वेंदत शंकर ने बताया कि यह अभियान शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए चलाया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस क्षेत्र में स्थित आपराधिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए है और सामाजिक तत्वों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि में संलिप्त न हों, अन्यथा प्रशासनीय कार्रवाई की जाएगी।

चास प्रखंड के टुपरा में महिलाओं ने निकाला नशाबंदी जुलूस, ग्रामीण जागरूकता पर जोर

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो): तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को चास प्रखंड के टुपरा पंचायत में ग्रामीण महिलाओं ने नशाबंदी को लेकर एक जोरदार जुलूस निकाला। कार्यक्रम का आयोजन जेएलकेएम के तत्वाधान में किया गया था और इसका नेतृत्व संगठन के केंद्रीय महासचिव अर्जुन रजवार ने किया।

जुलूस में भाग लेने वाली महिलाओं ने पंचायत के विभिन्न टोलों व मोहल्लों का भ्रमण कर जनता से शराब के सेवन और शराब कारोबार बंद करने की अपील की। अर्जुन रजवार ने कहा कि विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता व शिक्षा की कमी के कारण नशापान का प्रचलन बढ़ा है। उन्होंने बताया कि आमदनी कम होने पर परिवार की आजीविका पर अधिक दबाव पड़ता है और शराब पर खर्च के कारण बच्चों की पढ़ाई व परिवार की पालन-पोषण क्षमता प्रभावित हो रही है।

रजवार ने कहा, ₹नशापान ने गांवों में गरीबी और अशिक्षा बढ़ाई है। हमें सामाजिक जिम्मेदारी न भूलते हुए नशाबंदी के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहना चाहिए।₹ आयोजन में उपस्थित ग्रामीण महिलाओं ने शराब के नुकसान और नशामुक्ति के उपायों पर लोगों को जानकारी दी तथा समुदाय स्तर पर सतत जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने आयोजन की सराहना की और कहा कि इस तरह के जागरूकता अभियानों से ग्रामीण समुदायों में बदलाव लाने में मदद मिलेगी। जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सेल अध्यक्ष को 40% छंटनी रोकने को कहा: बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बीते शनिवार देर शाम बोकारो निवास मे आये सेल अध्यक्ष डाक्टर अशोक कुमार पंडा से देर रात युनियनों के साथ हुए बार्ता मे झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज का महामंत्री बि के चौधरी के साथ संयुक्त महामंत्री एन के सिंह ने भाग लिया ।बार्ता मे बोकरो स्टील प्लांट के निदेशक, प्रभारी प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक एच आर सुश्री राजश्री बनर्जी ,मुख्य महाप्रबंधक एच आर अंजनी कुमार शरण के साथ अन्य अधिशास निदेशकगण एवं अन्य पदाधिकारीगण के साथ साथ अन्य 6 युनियन के महामंत्री भी उपस्थित रहे ।बार्ता के क्रम मे महामंत्री बि के चौधरी ने प्लांट बिस्तारीकरण योजना को धरातल पर लाने के लिए झारखंड के साथ साथ बोकारो बासियों के तरफ से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बोकारो स्टील मे कार्यरत इस्पातकर्मी एवं ठेका कमीर्यों के ज्वलंत समस्याओं की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अन्य प्लांटों की तरह बोकारो स्टील मे भी गुप्त मतदान के द्वारा युनियन का चुनाव, 39 महिने का एरियर, इन्सेंटिव रिवार्ड स्कीम मे आमूलचूल परिवर्तन,प्लांट के उत्पादन और मुनाफा मे 90% योगदान देने बाले ठेकाकर्मी जिनके पूर्वजों ने बोकारो स्टील बनने के लिए अपनी रोजी रोटी का एकमात्र साधन खेत खलिहान दे दिया जिसके कारण अब स्थानीय बिस्थापित एवं मूलबासियों के बाल बच्चों के सामने ठेका मजदूर बनकर अपने बाल बच्चों का भरण-पोषण करने के अतिरिक्त कोई अन्य विकल्प नही है ।वहीं दुसरी ओर अप्रेंन्टीस कर चूके बिस्थापित को नियोजन नही दिया जा रहा है फलस्वरूप आन्दोलनरत है ।इस परिस्थित मे 40% मजदूरों का हो रहे छंटनी के कारण प्लांट के उत्पादन पर बिपरीत प्रभाव पड़ना निश्चित है तथा बिस्थापितों मे प्लांट के खिलाफ और ज्यादा आक्रोश बढ़ना स्वभाविक होगा और एक बहुत बड़े आन्दोलन को जन्म देगा जिसका असर बिस्तारीकरण पर भी पड़ सकता है ।इसीलिए 40% छंटनी पर रोक लगाने,एस डब्लू के सपरिवार मुफ्त ईलाज, यू एस डब्लू को मोटरसाइकिल गेटपास ,मनीकट इत्यादि पर प्लांटहित मे सेल अध्यक्ष से तत्काल निर्णय लेने का अपील किया गया ।

संकीर्तन का भव्य समापन, श्रद्धालुओं ने लिया भक्ति रस

बोकारो। कसमार प्रखंड के चट्टी स्थित सोलह आना समिति के द्वारा आयोजित 24 प्रहरीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का समापन रविवार दोपहर कुंज भंग के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। समापन के अवसर पर परंपरा के अनुरूप विश्वनाथ पाल ने अपने घर से कीर्तन व गाजे-बाजे के साथ शंखनाद करते हुए राखाल हांडी को मंदिर में लाकर स्थापित किया तथा विशेष पूजा-अर्चना कर 52 भोग लगाकर राधा-श्रीकृष्ण समेत अन्य देवताओं की आराधना की गई। कुंज भंग के दौरान बांकुड़ा की प्रसिद्ध कीर्तन गायिका अपर्णा पाल ने राधा-कृष्ण की भक्ति से जुड़ी पाला कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे सैकड़ों ग्रामीण भक्ति रस में डूब गए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भक्ति गीतों पर तालियाँ बजाकर और भावपूर्ण करुणा व्यक्त करते हुए आयोजन का आनंद लिया। लोगों ने विशेष रूप से ₹बोल भाई कान्हाई जाबी कि नाय रे, गोष्ठे जाबार बेला होलो जाबी कि नाय रे₹ जैसे भजन-भक्ति गीतों के दौरान गहरी श्रद्धा व्यक्त की। घटना से पहले शनिवार देर रात कीर्तन में भी बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया था। समापन समारोह में पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, सूबे के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद के अनुज चित्रगुप्त महतो, जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, भाजपा नेता व पूर्व बोकारो जिला बीस सूत्री कमिटी के उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक, समाजसेवी सूरज जायसवाल सहित कई गण्यमान्य अतिथि शामिल हुए।

एलएच कॉलोनी के अवैध तेल गोदाम में विस्फोट, घर में लगी भीषण आग, दो झुलसे, एक की हालत गंभीर

बिभा संवाददाता

बोकारो । शहर के सिटी थाना अंतर्गत एलएच कॉलोनी में शनिवार देर शाम करीब 8 बजे एक भीषण आग लगने की घटना में दो लोग झुलस गए। जानकारी के अनुसार बीएसएल के एलएच स्ट्रीट-15 के क्वार्टर नंबर 5 में घर के अंदर जमा पेट्रोल-ऑयल के डिब्बों में किसी कारण आग लग गई, जो दुर्घटना के बाद विस्फोट में तब्दील हो गई और आग ने विकराल रूप ले लिया। हादसे में गृहस्वामी भाना झा और महबूब आलम गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों का इलाज बोकारो जनरल हॉस्पिटल के बर्न यूनिट में चल रहा है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक तेज धमाका हुआ और आग की लपटें तेजी से पूरे मकान में फैल गईं। आस-पास के लोग दहशत में भागे और आनन-फानन में आसपास वालों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। किसी ने फौरन दमकल को सूचित किया। थोड़ी देर बाद दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाया।

स्थानीय निवासी घटनास्थल पर पहुंचे और जलती वस्तुओं को बाहर निकालने के साथ ही घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। प्रभावित परिवार और पड़ोसियों का कहना है कि जिस क्वार्टर में आग लगी वह एक अवैध तेल गोदाम के रूप में उपयोग हो रहा था, जहाँ पेट्रोल और अन्य इंधन भरे डिब्बे रखे गए थे। इससे पहले भी इलाके में ऐसे अवैध संचयन को लेकर शिकायतें मिली थीं, परंतु तय कार्रवाई नहीं होने के कारण आज यह भयावह हादसा हुआ।

थाना सूत्रों ने बताया कि पुलिस और अग्निशमन टीम वर्तमान में घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है तथा विस्फोट के कारणों औरी३८ नियमों के उल्लंघन की जांच की जा रही है। प्रारंभिक रूप से घटना को अवैध तेल भंडारण और उसके चलते हुए विस्फोट से जोड़ा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद कॉलोनी में सुरक्षा और परिचालन को लेकर चिंता बढ़ गई है। प्रशासन और अग्निशमन विभाग से स्थानीय लोगों ने आवासीय इलाकों में अवैध तेल भण्डारण पर कड़ी निगरानी और सख्त कदम उठाने की मांग की है।

पर्यावरण प्रदूषण के खिलाफ कसमार प्रखंड में विशेष जनजागरूकता तथा क्विज का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज प्रदूषण नियंत्रण परिषद के निदेर्शानुसार सिद्धा तथा सहयोगिनी द्वारा आज बोकारो जिले के कसमार प्रखंड क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन से बचाव, पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम को लेकर विशेष जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान खैराचातर पंचायत में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि कूड़ा कचरा का सही निपटान करना हर एक नागरिक का दायित्व है ।साथ ही विभिन्न प्रकार के प्रदूषण का नियंत्रण सभी के सहयोग से ही संभव है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रदूषण से होने वाली नुकसान तथा इसकी रोकथाम को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जानकारी दी गई। इस दौरान पंचायत भवन में स्थानीय समिति के द्वारा वन एवं पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित एक विषय से बैठक का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि सरकार के द्वारा पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन की रोकथाम को लेकर के विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित है। पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमेशा एक साथ मिलकर खड़ा रहने की जरूरत है। कसमार प्रखंड के पोंडा पंचायत भवन में किशोरियों के बीच आयोजित क्विज प्रतियोगिता के दौरान पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर के विशेष जानकारी के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड के पूर्व प्रमुख विजय किशोर गौतम ने कहा कि अधिक से अधिक वृक्षों को लगाने से हमारा वातावरण शुद्ध होता है हर एक नागरिक को पर्यावरण रक्षा के लिए संकल्प लेने की जरूरत है। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम नीतू मुर्मू, द्वितीय तथा तृतीय स्थान में प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता का संचालन कुमारी किरण ने किया। सफल किशोरी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सोनपुरा पंचायत के सोनहर गांव में स्वयं सहायता समूह के साथ पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण को लेकर विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

इस दौरान सहयोगिनी की एनिमेटर मंजू देवी ने कहा कि महिलाओं को अपने घर तथा आसपास स्वच्छता बरकरार रखने के लिए हमेशा तत्पर रहना पड़ेगा। उन्होंने विभिन्न प्रकार के प्रदूषण तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम की जानकारी दी। इस दौरान सांकेतिक रूप से पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुमार गौरव पायल कुमारी विनोद कुमार ,मंटू करमाली , प्रभास कुमार,सुनील कालिंदी, अशोक कालिंदी रवि कुमार राय , निशार अहमद आदि उपस्थित थे।

एनएसयूआई हमेशा से छात्रों के अधिकारों की लड़ती रही है लड़ाई : बादल पत्रलेख

बिभा संवाददाता

देवघर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष रवि वर्मा के नेतृत्व में सारवां प्रखंड के डकाय पंचायत में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डकाय पंचायत के मुखिया मुबारक अंसारी मौजूद थे।

कार्यक्रम का संचालन नवनियुक्त सारवां प्रखंड अध्यक्ष सोनू कुमार रवानी ने किया। बैठक के दौरान देवघर जिला एनएसयूआई की ओर से नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष सोनू कुमार रवानी का स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने उन्हें माला एवं अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया।

मौके पर पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि एनएसयूआई हमेशा से छात्रों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि देवघर जिला एनएसयूआई सारवां प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में संगठन को मजबूत करेगी और छात्रों तथा युवाओं की शैक्षणिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि संगठन को जब भी उनकी आवश्यकता होगी, वे हर समय सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे।

जिला अध्यक्ष रवि वर्मा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सारवां प्रखंड सहित पूरे जिले में किसी भी छात्र को शिक्षा के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई छात्रों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर पूरी मजबूती के साथ संघर्ष करती रहेगी।

नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष सोनू कुमार रवानी ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रदेश एवं जिला नेतृत्व द्वारा जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, उसका वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने छात्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सारवां प्रखंड की सभी पंचायतों में संगठन का विस्तार करने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान एनएसयूआई की नीतियों और छात्रहित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर तीन दर्जन से अधिक युवाओं एवं छात्रों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। इससे संगठन को क्षेत्र में और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई गई।

इस अवसर पर जिला महासचिव मनीष कुमार, मीडिया प्रभारी मृत्युंजय कुमार, राजन रवानी, नंदू यादव, ललन राणा, पवन रवानी, सुमन राणा, भोला पासवान, सरलू पासवान, राजेश पासवान, सन्नी मुर्मू, सुनील हांसदा, अजीत सोरेन, किसुन सोरेन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित थे।

जिला जज तृतीय सुनील दत्त द्विवेदी ने पदभार ग्रहण किया

बिभा संवाददाता

जिला जज संजय कुमार दुबे ने पदभार सौंपा

लातेहार। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह की उपस्थिति में सेवानिवृत्ति के साथ जिला जज संजय कुमार दुबे ने अपना पदभार अपर जिला जज तृतीय संजय दत्त द्विवेदी को सौंप दिया है। सेवानिवृत्ति के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह ने सेवानिवृत्त जज श्री दुबे की उज्जवल भविष्य एवं दीघार्यु की कामना किया है ।उन्होंने कहा कि श्री दुबे एक कर्मठ योग्य एवं न्यायविद अधिकारी रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सैयद सलीम फातमी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा ने सेवानिवृत्त जज श्री दुबे के स्वास्थ्य एवं समृद्ध जीवन की कामना किया है। जिला जज तृतीय सुनील दत्त द्विवेदी ने सेवानिवृत्त जज श्री दुबे को विदाई देते हुए कहा कि अपने मृदु स्वभाव एवं न्याय के प्रति समर्पण के लिए हमेशा अनुकरणीय रहेंगे ।इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विक्रम आनंद, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दंडाधिकारी कुमारी जीव, डीएलएसए सेक्रेटरी शिवम चौरसिया, एसडीजेएम प्रणव कुमार, प्रभारी न्यायाधीश उत्कर्ष जैन समेत न्यायिक पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर को लेकर कामता पंचायत में चलाया गया जागरूकता अभियान

लातेहार/चंदवा (बिभा)। प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत 23 - 24 मई 2026 को अन - मैप्ड मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। गांव में सैंकड़ों मतदाता हैं अनमैप्ड सूची में हैं जो अबतक एसआईआर प्रकृया में शामिल नहीं हो पाई हैं। कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने कामता पंचायत के ग्राम चटुआग में रविवार को ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाया, इसमें मतदाताओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी और उनके बीच निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी अनमैप्ड सूची पढ़कर सूनाया, उन्होंने बताया कि जागरूकता अभियान का यह प्रयास है कि योग्य मतदाताओं का नाम सूची से बाहर नहीं हो पाए, एसआईआर प्रक्रिया में पूरी गहनता के साथ नागरिकों को जागरूक कर सभी योग्य नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है हम सभी को हर घर और हर व्यक्ति तक इस अभियान को पहुंचना है ताकि कोई भी मतदाता वोट करने और सरकारी लाभ से वंचित न हो पाए तथा कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से छूट न जाए। पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने सभी अनमैप्ड मतदाताओं से अपील की है कि वे गांव के संबंधित आंगनबाड़ी सेविका (बीएलओ) से संपर्क करें और अन्मैप्ड सूची जांचें यदि आपका नाम अन्मैप्ड सूची में है तो आंगनबाड़ी सेविका (बीएलओ) के बताए अनुसार आवश्यक कागजात जमाकर अपनी मैपिंग कराएं ऐसा नहीं कराने पर आपका नाम वोटर लिस्ट से कट जाएगा और आप वोटर कार्ड के आधार पर जो भी सरकारी सुविधाएं ले रहे हैं सभी सुविधाएं खत्म हो जाएंगी।

ड्यूटी से लौट रहे डॉक्टर पर हमला, डॉक्टर संगठनों ने दी आंदोलन की चेतावनी

रांची(बिभा) : पलामू जिले के पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार पर हुए हमले को लेकर राज्यभर के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों में भारी आक्रोश है. विभिन्न चिकित्सा संगठनों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है. संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विस एसोसिएशन (जेएसएचएसए), झारखंड डॉक्टर्स नेटवर्क (जेडीएन) और विभिन्न पारा-मेडिकल कर्मचारी संगठनों ने कहा कि 28 मई की रात ड्यूटी से लौट रहे डॉ. मिथिलेश कुमार को रास्ते में रोककर उनके साथ मारपीट कर लहूलुहान कर दिया गया. हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और वर्तमान में रांची में उनका इलाज चल रहा है. चिकित्सा संगठनों ने कहा कि यह सिर्फ एक डॉक्टर पर हमला नहीं है, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करने वाली घटना है. संगठनों ने मामले की उच्च-स्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है. संगठनों ने सरकार और प्रशासन से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी, कठोर कानूनी कार्रवाई तथा चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए स्थायी और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है. साथ ही संबंधित क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों और सड़क लूट की घटनाओं पर भी तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता बताई है। चिकित्सा संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द और संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई तो राज्यभर का चिकित्सा समुदाय पेन-डाउन आंदोलन सहित अन्य लोकतांत्रिक और वैधानिक कदम उठाने पर विचार करेगा. विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूरा चिकित्सा समुदाय डॉ. मिथिलेश कुमार के साथ खड़ा है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है. साथ ही दोषियों को सजा दिलाने और न्याय सुनिश्चित होने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी दोहराया गया है. संयुक्त बयान में कहा गया कि न्याय में देरी न्याय से वंचित करने के समान है.

पुलिस कर्मियों ने तंबाकू सेवन नहीं करने का लिया शपथ

रामगढ़(बिभा)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर जिले के सभी पुलिस पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया। इस मौके पर सभी थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी, थानों में प्रतिनियुक्ति पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों ने धूम्रपान और तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ ली। साथ ही अपने परिवार एवं परिचितों को भी धूम्रपान और तंबाकू उत्पाद का सेवन न करने के लिए प्रेरित करने का शपथ लिया। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि सभी थाना परिसर और ओपी परिसर में शपथ ग्रहण समारोह में सभी पदाधिकारी शामिल रहे। उन्होंने कहा कि सभी थानों को तंबाकू निषेध क्षेत्र घोषित किया गया है। पुलिस कार्यालय, थाना, ओपी और टीओपी में कोई भी व्यक्ति तंबाकू का सेवन नहीं करेगा।

हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया कई योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन

जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर उतारना प्राथमिकता: विधायक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास एवं आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में आज विधायक प्रदीप प्रसाद ने विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इन योजनाओं के पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन एवं बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिलेगा ।इसी क्रम में विधायक निधि से नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-3 स्थित नूरा में कुंवर कल्याण चौक के समीप पेवर ब्लॉक सड़क का उद्घाटन किया गया। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा स्थानीय आधारभूत ढांचे को मजबूती प्राप्त होगी ।इसके पश्चात कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत दक्षिणी पेलावल पंचायत में राजन जी के घर से अलहिरा विद्यालय तक लगभग 0.730 किलोमीटर लंबी पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग की जा रही थी। सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को आवागमन में काफी सुविधा होगी ।वहीं, नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-6 स्थित मटवारी जागों निवास पथ में आरसीसी नाली निर्माण एवं मरम्मतीकरण कार्य का भी विधिवत शिलान्यास किया गया। इस परियोजना के पूरा होने से जल निकासी की समस्या का समाधान तथा क्षेत्र में स्वच्छता एवं जनसुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव, मोहल्ले और वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। सड़क, नाली, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर जीवन-स्तर उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर उतारना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे ।इस अवसर पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व जिला परिषद सदस्य मंजू नंदनी नगर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि श्री कुलदीप कृष्णा, नगर पूर्वी मंडल अध्यक्ष व वार्ड पार्षद रिंकु वर्मा, कटकमसांडी पूर्वी मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, जयनारायण मेहता, कटकमसांडी विधायक प्रतिनिधि सुमन राय, बॉबी कुशवाहा, नवल कुशवाहा, सांसद प्रतिनिधि जीवन मेहता, पंडल यादव, ज्वाला अग्रवाल, सुबोध सिन्हा, राजेश यादव, पवन गिरि, गदोखर मुखिया नारायण साव स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ, जागरूकता रथ रवाना

बिभा संवाददाता

गुमला: विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को सदर अस्पताल, गुमला परिसर से उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महत्तो, अपर समाहर्ता राजीव नीरज, सिविल सर्जन गुमला शंभूनाथ चौधरी, एलआरडीसी गुमला राजीव कुमार द्वारा संयुक्त रूप से तंबाकू नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनजागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार करने वाले जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कार्यक्रम के दौरान तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु जनसहभागिता बढ़ाने तथा लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मौके पर अस्पताल प्रबंधक, जिला परामर्शी (तंबाकू निषेध कोषांग), मनोवैज्ञानिक तंबाकू मुक्ति केंद्र, एफएलसी-एनसीडी के प्रतिनिधि, सहियाएं तथा सदर अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

खोड़ाहर में 2.4 करोड़ की लागत से बनेगी पांच माइल-जतरा मेला सड़क, सांसद-विधायक ने किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: बरही प्रखंड अंतर्गत खोड़ाहर पंचायत के पांच माइल से जतरा मेला तक बनने वाली सड़क का शिलान्यास रविवार को सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक मनोज यादव ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर तथा शिलापट्ट का अनावरण कर किया। यह सड़क मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण के तहत लगभग 2.4 करोड़ रुपये की प्राक्कलित राशि से निर्मित की जाएगी। जानकारी के अनुसार, 3.7 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण कार्य सिद्धार्थ कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया जाएगा। सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क मुख्य मार्गों से और अधिक सुगम होगा। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि केंद्र सरकार गांवों के विकास और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि इस सड़क से कई गांव समेत हजारों लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। वहीं बरही विधायक मनोज यादव ने कहा कि गांव के लोगों ने पिछले कई वर्षों से सड़क बनाने की मांग रखी थी। जिसके बाद उन्होंने सड़क निर्माण को लेकर प्रयास किया और तब जाकर आज सड़क का शिलान्यास किया जा रहा है। उन्होंने संवेदक को गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण करने की बात कही। इसके बाद विधायक श्री यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी तथा क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, मोतीलाल चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, उपमुखिया रोहित यादव, सेवानिवृत्त रेंजर दिलीप एक्का, परमेश्वर यादव, अरुण चन्द्रवंशी, महेश यादव, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज ने विभिन्न क्षेत्रों में चलाया जन जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार को हजारीबाग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन एवं जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें कटकमदाग स्थित महोडर, सदर प्रखण्ड स्थित हुपाद, बभनी, सत्यम फ्रेश फूड फीड्स प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य क्षेत्र के पंचायत भवन में जागरूकता जांच शिविर का आयोजन, फैक्ट्री के कर्मचारी, किसान और आम जनता को तंबाकू के दुष्प्रभाव से होने वाले गंभीर बिमारियों से अवगत कराया गया। स्वास्थ्य जीवन के लिए नशा को जीवन से दूर करने का आव्हान किया गया। मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि तंबाकू सेवन आज समाज के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। तंबाकू के कारण मुंह का कैंसर, दांतों एवं मसूड़ों की बीमारियां, हृदय रोग तथा श्वसन संबंधी अनेक गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से पूर्ण दूरी बनाना है। उन्होंने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। हजारीबाग डेंटल कॉलेज समय-समय पर ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाने का कार्य करता रहेगा।मौके पर सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग से डॉ. निशाद गवली, डॉ नुसरत, डॉ दीपांशु, राज कुमार सहित कई स्वास्थ्य कमीयों ने जन जागरूकता एवं दंत जांच शिविर में अपना सरहानीय योगदान दिया।

निर्दोष ग्रामीणों पर दर्ज फर्जी मुकदमे अविलंब वापस लिए जाएं, अन्यथा होगा व्यापक जनआंदोलन : अनीता देवी

बिभा संवाददाता

लातेहारः हेरहंज;नवादा ग्राम में आज ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें 27 मई 2026 को कोयला परिवहन के दौरान हुई दुर्घटना, ग्रामीणों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमों तथा क्षेत्र में संचालित कोयला परिवहन से उत्पन्न सुरक्षा संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में नवादा सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित हुए।

बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि 27 मई की संध्या में कोयला परिवहन के दौरान एक हाईवा वाहन से कोयले का बोल्डर गिर जाने के कारण एक मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद ग्रामीणों ने शांतिपूर्ण ढंग से सुरक्षा एवं न्याय की मांग उठाई, लेकिन दोषी कंपनी पर कार्रवाई के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे ग्रामीणों पर मुकदमे दर्ज कर दिए गए, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है ।बैठक में सर्वसम्मति से मांग की गई कि ग्रामीणों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमों को अविलंब वापस लिया जाए, घायल बच्चे के समुचित उपचार एवं उचित मुआवजे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा दुर्घटना के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों एवं संबंधित कंपनी प्रबंधन के विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों ने यह भी मांग की कि कंपनी के परिवहन मार्ग, परमिट एवं अन्य वैधानिक स्वीकृतियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि संबंधित मार्ग से कोयला परिवहन की वैध अनुमति उपलब्ध नहीं है, तो गांव की सड़क से कोयला परिवहन तत्काल बंद कराया जाए तथा कंपनी को वैकल्पिक मार्ग अथवा पृथक परिवहन कॉरिडोर विकसित करने का निर्देश दिया जाए।बैठक को संबोधित करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि ग्रामीण केवल अपनी सुरक्षा, सम्मान और न्याय की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में घायल बच्चे को न्याय दिलाने के बजाय यदि ग्रामीणों की आवाज को मुकदमों के माध्यम से दबाने का प्रयास किया जाएगा, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत होगा।उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा निर्दोष ग्रामीणों को न्याय दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीणों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए गए और उनकी जायज मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो ग्रामीणों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक जनआंदोलन चलाया जाएगा।

बैठक में जिला परिषद प्रतिनिधि शिवनाथ रजक, विजय उरांव, सांसद प्रतिनिधि देवनंदन साहू, विकास कुमार, नवादा पंचायत की मुखिया, किशुन भुइयां, बिट्टू सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बेलगाम हाईवा वाहनों के खिलाफ सड़क पर उतरे ग्रामीण, लगभग एक घंटे तक रहा स्टेट हाईवे जाम

बिभा संवाददाता

लातेहार: कोमर मोड़ के समीप आज आक्रोशित ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे को लगभग एक घंटे तक जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि तुबेद कोलियरी से रेलवे साइडिंग तक प्रतिदिन सैकड़ों हाईवा वाहनों का परिचालन होता है, जिनकी रफ्तार अत्यधिक तेज रहती है और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता ।ग्रामीणों ने बताया कि कोमर मोड़ के पास स्पीड ब्रेकर बने होने के बावजूद हाईवा वाहन तेज गति से गुजरते हैं और ब्रेकर तड़पाते हुए पार करता है ।सड़क के किनारे बसे परिवारों का कहना है कि दिन-रात भारी वाहनों की आवाजाही और तेज रफ्तार के कारण उनका सामान्य जीवन प्रभावित हो गया है। रात के समय वाहनों के तेज गति से गुजरने एवं ब्रेकर पर फुल स्पीड में गाड़ी को तड़पाने पर तेज आवाज होती है, जिससे लोगों की नींद बार-बार टूट जाती है और बुजुर्गों, महिलाओं तथा बच्चों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना था कि इस संबंध में कई बार जिला प्रशासन, जिला परिवहन पदाधिकारी एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। सड़क जाम की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से वार्ता की। काफी समझाने और आश्वासन के बाद लगभग एक घंटे के पश्चात जाम समाप्त कराया गया और यातायात सामान्य हो सका। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे पुनः आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व माता-पिता दिवस

ललित गर्ग

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्ळ एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्त्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्ळ-मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

संपादकीय

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है। हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

विश्व दुग्ध दिवस स्वास्थ्य, पोषण और समृद्धि का देता है संदेश

लेखक

संजय सर्राफ

हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है विश्व दुग्ध दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी। इस दिवस का उद्देश्य दूध एवं दुग्ध उत्पादों के पोषणात्मक महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा डेयरी क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी योगदान को रेखांकित करना है।दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है क्योंकि इसमें कैल्शियम,प्रोटीन,विटामिन-डी, विटामिन-बी12, पोटैशियम तथा अनेकआवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह बच्चों की शारीरिक एवं मानसिक वृद्धि, युवाओं की कार्यक्षमता तथा बुजुर्गों की हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संतुलित आहार में दूध और दुग्ध उत्पादों का विशेष स्थान है।विश्व दुग्ध दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को दूध के स्वास्थ्य लाभों से अवगत कराना, डेयरी किसानों के योगदान का सम्मान करना तथा दुग्ध उत्पादन और वितरण से जुड़े उद्योगों के महत्व को उजागर करना है। यह दिवस किसानों, डेयरी उद्यमियों, वैज्ञानिकों और उपभोक्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भी अवसर प्रदान करता है।भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में डेयरी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। लाखों किसान एवं पशुपालक दुग्ध उत्पादन के माध्यम से अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। विशेष रूप से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में डेयरी व्यवसाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुग्ध सहकारी समितियों और आधुनिक डेयरी तकनीकों ने ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान की है।इस दिवस की विशेषता यह है कि इसके माध्यम से पौष्टिक आहार, खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण विकास और सतत कृषि के महत्व को भी बढ़ावा दिया जाता है। विभिन्न संस्थाओं द्वारा जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, संगोष्ठियां, दुग्ध वितरण कार्यक्रम तथा किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।आज के समय में जब कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ रही हैं, तब दूध जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। विश्व दुग्ध दिवस हमें यह संदेश देता है कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए संतुलित पोषण, गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन और किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।विश्व दुग्ध दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि पोषण, स्वास्थ्य, किसान समृद्धि और सतत विकास के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है।

जहरीली शराब का जहर: मौत का कारोबार कब रुकेगा?

कांतिलाल मांडोत

हर साल छिनती हैं सैकड़ों जिंदगियां, अब अवैध शराब के पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी...

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?*

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

यदि देश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का इतिहास देखा जाए तो सबसे अधिक चर्चा बिहार की होती है। बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना था, लेकिन इसके बाद अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब से होने वाली मौतों की कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। वर्ष 2016 में गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से लगभग 19 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब ने करीब 16 लोगों की जान ले ली। वर्ष 2022 बिहार के लिए सबसे भयावह साबित हुआ। मार्च 2022 में भागलपुर जिले में जहरीली शराब से 40 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। इसी वर्ष दिसंबर में सारण जिले में हुई त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया, जहां 70 से अधिक लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में भी मोतिहारी और सीवान सहित कई क्षेत्रों में जहरीली शराब से अनेक लोगों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2024 और 2025 में भी छिटपुट घटनाएं सामने आती रहीं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हालांकि यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी समय-समय पर ऐसी घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2022 में गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से 40 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर हुई एक घटना में लगभग 100 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब का कारोबार पूरे देश के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बड़ी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, छापेमारी होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कठोर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इसका कारण यह है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया जाता है। अवैध शराब का नेटवर्क गांवों, कस्बों और शहरों तक फैला हुआ है। इसमें शराब बनाने वाले, आपूर्ति करने वाले, बेचने वाले और कई बार संरक्षण देने वाले लोग भी शामिल होते हैं। जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

सरकारों को यह समझना होगा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। पुलिस, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। जहां अवैध शराब बनने या बिकने की आशंका हो, वहां नियमित निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही दोषियों को त्वरित और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि दूसरों के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश बने।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि कुछ रुपये बचाने के लिए खरीदी गई अवैध शराब उनकी जान ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू नशामुक्ति का है। शराब की लत केवल कानून से समाप्त नहीं होती। इसके लिए परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यदि सरकारें नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करें और लोगों को उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराएं तो शराब पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे अवैध शराब की मांग भी घटेगी।

महाराष्ट्र की ताजा घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जहरीली शराब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए यह केवल एक समाचार नहीं बल्कि जीवन भर का दुख है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

जहरीली शराब वास्तव में जानलेवा है। यह धीरे-धीरे नहीं, बल्कि कई बार कुछ घंटों में ही जीवन समाप्त कर देती है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र की घटना से सबक लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यापक रणनीति बनानी चाहिए जो अवैध शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा सके। जब तक अपराधियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा और समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। अब समय आ गया है कि इस मौत के कारोबार पर स्थायी और निर्णायक प्रहार किया जाए, ताकि किसी परिवार का चिराग जहरीली शराब की भेंट न चढ़े।

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे। जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर ह्रदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के ह्रदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने ह्रदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के ह्रदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही म ु क्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां ?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या कहते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

पर्यटकों से भरी कार चंबा की खाई में गिरी, 8 की मौत

-होटल प्रबंधन ने पुलिस को दी थी सूचना

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर पर्यटकों से भरी एक एर्टिगा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना 29 मई की आधी रात को घटित हुई। हादसे के बाद से ही कार में सवार सभी लोग लापता थे और उनके बचने की उम्मीद न के बराबर थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा मौके पर सघन खोज से पता चला की 8 की मौत हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले दो परिवारों के सात लोग हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां बिताने और घूमने के लिए आए थे। ये सभी पर्यटक चंबा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डलहौजी के एक होटल में ठहरे हुए थे। 29 मई की सुबह वे सभी गाड़ी किराये पर लेकर साच पास की तरफ साइट सीन (घूमने) के लिए निकले थे। तय कार्यक्रम के अनुसार पर्यटकों को उसी दिन शाम तक वापस डलहौजी के होटल में लौटना था, जहाँ उन्होंने एडवांस बुकिंग करा रखी थी। जब देर रात तक भी पर्यटक वापस होटल नहीं लौटे और होटल प्रबंधन का उनसे किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो सका, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने होटल प्रबंधन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल लोकेशन और रास्तों की कड़ियों को जोड़ते हुए तलाश शुरू की, जिसके बाद इस भीषण हादसे का पता चला।

गुरुग्राम की ओम साईंराम फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का माल स्वाहा

गुरुगांव (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में मुशदपुर-खुरमपुर गांव के पास स्थित ओम साईराम फैक्ट्री में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1:40 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि उसने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में उठती आग की गगनचुंबी लपटों और धुएं के गुबार से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। राहत की बात यह है कि रात का समय होने के कारण फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया। फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को रात 1:40 बजे इस हादसे की सूचना मिली। शुरुआत में पटौदी फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुँची, लेकिन हालात बेकाबू देखकर तुरंत अन्य फायर स्टेशनों से अतिरिक्त मदद मांगी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मानेसर, भीम नगर, सेक्टर-37 और सेक्टर-29 सहित कुल छह फायर स्टेशनों से 8 फायर टेंडरों (गाड़ियों) को काम पर लगाया गया। फायर कर्मियों ने फैक्ट्री को चारों तरफ से घेरकर घंटों तक पानी की बौछारें कीं, लेकिन रविवार सुबह तक भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने की असली वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन शुरुआती तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट का नतीजा माना जा रहा है। इस भीषण अग्निकांड में फैक्ट्री की इमारत के साथ-साथ भीतर रखा कीमती कच्चा माल, तैयार उत्पाद और मशीनें जलकर पूरी तरह खाक हो गई हैं। आशंका है कि इस हादसे में करोड़ों रुपये का भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने और कूलिंग का काम संपन्न होने के बाद फैक्ट्री के भीतर सर्च अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं और फैक्ट्री मालिक से सुरक्षा मानकों व एनओसी से जुड़े दस्तावेज भी तलब किए गए हैं।

मेघालय में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप, जानमाल सुरक्षित

ईस्ट गैरो हिल्स (एजेंसी)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने रविवार सुबह मेघालय के पश्चिमी खासी हिल्स जिले में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया। सुबह 6:50 बजे आए इन झटकों से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र पश्चिम खासी हिल्स में 10 किलोमीटर की गहराई में था, जो चेरापूंजी से लगभग 77 किलोमीटर डब्ल्यूएनडब्ल्यू दिशा में स्थित था। चूंकि इसकी तीव्रता कम और गहराई उथली थी, इसलिए इसका प्रभाव सीमित रहा और स्थानीय लोगों ने मामूली कंपन ही महसूस किया। किसी भी क्षति या हानि की कोई रिपोर्ट नहीं है। इससे कुछ घंटे पहले एनसीएस ने ताजिकिस्तान में 5.2 तीव्रता का मध्यम भूकंप भी दर्ज किया था, जिसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर उत्तर-पूर्वी भारत, सक्रिय फॉल्ट लाइनों पर होने के कारण भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है। यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों की टेक्टॉनिक गतिविधियों के कारण अक्सर कंपन महसूस करता है। मेघालय में 1897 में आया 8.1 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली में तीन मंजिला इमारत ढही, एक की मौत, आठ घायल

- दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके का मामला, इमारत में चल रहे थे कोचिंग संस्थान और कैफे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां सैदुलजाब के वेस्टर्न मार्ग पर एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इस दर्दनाक घटना में 26 वर्षीय एक युवक की जान चली गई, जबकि आठ अन्य लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, यह हादसा शनिवार देर शाम को हुआ, जब एक व्यस्त व्यावसायिक भवन ढह गया। इस इमारत में एक कोचिंग संस्थान, कैफे और कई कार्यालय संचालित हो रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय इसकी ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य जारी था, जिससे इमारत की संरचनात्मक अखंडता प्रभावित हुई हो सकती है। इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और उसका मलबा पास में स्थित टिन शेड वाली कैंटीन पर जा गिरा, जहां मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र अक्सर आते-जाते थे। मृतक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में गुरुग्राम निवासी तरुण कुमार (26), बिहार के मोतिहारी निवासी साइका खान (27) और सैदुलजाब निवासी नीलम यादव (25) सहित आठ अन्य लोग शामिल हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित विभिन्न एजेंसियों तथा स्थानीय निवासियों ने मिलकर व्यापक बचाव अभियान चलाया और सभी घायलों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर उठाए सवाल

-बच्चों से मुलाकात का वीडियो किया साझा और बोले— सवाल पूछने वाले छात्रों को जवाब की जगह अपमान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों से बातचीत की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि अपनी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने वाले छात्रों को समाधान के बजाय आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया।

साझा किए गए वीडियो में राहुल गांधी कुछ छात्रों से परीक्षा परिणामों और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इनमें वेदांत नामक छात्र भी शामिल है, जिसने पहले अपनी उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित त्रुटि का मुद्दा उठाया था। छात्र का दावा है कि जब उसने अपनी फिजिक्स की उत्तरपुस्तिका की प्रति प्राप्त की, तो उसमें उसकी लिखावट नहीं थी और किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका उससे संबद्ध दिखाई गई थी।

वीडियो में वेदांत ने बताया कि परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिलने पर उसने उत्तरपुस्तिका की कॉपी मंगाई। दस्तावेज देखने पर उसे अपनी लिखावट नहीं मिली, जिसके बाद उसने इस मामले को सार्वजनिक किया। छात्र ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बाद उसे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा और उसे आपत्तिजनक टिप्पणियों का निशाना बनाया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि उन्होंने अपने 'देशद्रोही' और 'सोरोस एजेंट' कहे जाने वाले साथियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये छात्र प्रतिभाशाली और साहसी युवा हैं, जिन्होंने केवल अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सुरक्षित भविष्य मिलना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

बातचीत के दौरान कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रश्न उठाने पर उन्हें 'एंटी नेशनल' या 'डीप स्टेट एजेंट' जैसे शब्दों से संबोधित किया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव है जब उसे स्वीकार किया जाए। उनका कहना था कि समस्याओं को स्वीकार करने के बजाय छात्रों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं है।

हालांकि, राहुल गांधी ने अभी केवल बातचीत का एक अंश ही साझा किया है और पूरी चर्चा सार्वजनिक नहीं की है। इस बीच परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों की पारदर्शिता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

दक्षिण भारत में मानसून की दस्तक, 3-4 जून तक पहुंच सकता है केरल-तमिलनाडु

- व्यापक बारिश के साथ तापमान में कमी की संभावना, कई जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी

चेन्नई (एजेंसी)। । क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के ताजा अनुमान के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून 3 या 4 जून तक केरल, तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में दस्तक दे सकता है। इसके आगमन से दक्षिणी राज्यों में व्यापक बारिश होने और धीरे-धीरे तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून पहले ही 30 मई तक अरब सागर, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। अगले तीन से चार दिनों में इसके और प्रगति करने के लिए मौसमी परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, 1 जून तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। शनिवार को चेन्नई में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा और तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। विभाग ने अनुमान जताया है कि 2 जून से मानसूनी गतिविधियों के बढ़ने के साथ तापमान सामान्य स्तर पर लौटने लगेगा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, डिंडीगुल, थेनी, करूर, तिरुचिरापल्ली, नमक्कल, इरोड, सलेम समेत तमिलनाडु के कई पश्चिमी और दक्षिणी जिलों तथा पुडुचेरी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की भी संभावना है। 1 और 2 जून को भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है, खासकर थेनी और तेनकासी जैसे जिलों में। शनिवार को तिरुनेलवेली जिले के ऊथू और नालुमुक्कू, इरोड के अम्मापेट्टई और कोयंबटूर के थोलमपालायम में सबसे अधिक 7 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो मानसून पूर्व अच्छी गतिविधि का संकेत है।

सम्राट सरकार को रोहिणी की चुनौती, अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए

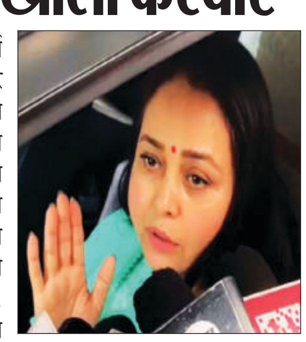

पटना, (एजेंसी)। पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर आवास को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार द्वारा 15 दिनों में बंगला खाली करने के आदेश के बाद राबड़ी और उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने बिहार सरकार को सीधी चुनौती दी है। रोहिणी आचार्य ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध, सत्ता के अहंकार बताया।

खुद राबड़ी देवी ने साफ कहा था कि वह घर खाली नहीं करेंगी, और सरकार चाहे, तब उन्हें बलपूर्वक बेदखल कर सकती है। गौरतलब है कि वे एक दशक से अधिक समय से इस आवास में रह रही हैं, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते पिछली नीतीश कुमार सरकार ने उन्हें आवंटित किया था।

यह सरकारी बंगला वर्तमान में दुग्ध एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। भवन निर्माण विभाग की मंत्री और जद (यू) की वरिष्ठ नेता लेशी सिंह ने विवाद पर कहा कि बंगलों का आवंटन सरकार का विशेषाधिकार है और कोई भी व्यक्ति किसी बंगले पर अपना अधिकार नहीं जता सकता। उन्होंने राबड़ी देवी को विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर आवंटित 39 आवास में स्थानांतरित होने की सलाह दी। वहीं, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री से मां समान राबड़ी देवी का अपमान न करने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री चौधरी को अहंकार छोड़कर बदले की राजनीति से बचने और आवंटित मंत्री को कोई दूसरा आवास देने का सुझाव दिया। इस तरह, राबड़ी आवास का यह विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदलता दिख रहा है।

महंत शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख, मठ प्रशासन सरकार अलग नहीं कर सकती: सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी भी आश्रम या मठ का महंत अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख होता है, जिसका पद और संपत्ति से जुड़े प्रशासनिक कार्य एक-दूसरे से अविभाज्य हैं। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस एस एस चंदूरकर की पीठ ने जोर दिया कि मठाधीश के धार्मिक और सांसारिक कार्यों को सरकार अलग नहीं कर सकती, क्योंकि महंत पद में आध्यात्मिक दायित्व और संपत्ति का प्रबंधन दोनों ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि धर्मनिरपेक्ष कार्यों को स्थायी रूप से सरकारी अधिकारियों को सौंपना संविधान के अनुच्छेद-26 और महंत पद की मूल अवधारणा का उल्लंघन है। मठाधिपति केवल एक प्रशासनिक अधिकारी नहीं होता, बल्कि वह अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख और मार्गदर्शक होता है। यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थित ऐतिहासिक 'श्री स्वामी हाथीरामजी मठ' के मठाधिपति अर्जुन दास को पद से हटाने और मठ के प्रशासन के लिए सरकारी प्रशासक की नियुक्ति के आंध्र प्रदेश सरकार के फैसले को रद्द करते हुए आई।

शीर्ष अदालत ने उडुपी शहर में मौजूद शिरूर मठ मामले में दिए अपने ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया। कोर्ट ने कि महंत पद की अवधारणा में पद और संपत्ति, कर्तव्यों और व्यक्तिगत हितों दोनों के तत्व आपस में इस तरह से घुले-मिले होते हैं कि इनमें से किसी को भी दूसरे से अलग नहीं कर सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि महंत केवल मठ की सांसारिक संपत्तियों का प्रबंधक मात्र नहीं होता, बल्कि वह शिष्यों के एक समुदाय का आध्यात्मिक प्रमुख और श्रेष्ठ होता है, जिसे आंध्र प्रदेश धर्मार्थ और हिंदू धार्मिक संस्थाएं और बंदोबस्ती अधिनियम, 1987 द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। पीठ ने कहा कि कोई भी ऐसी व्यवस्था जो किसी मठाधीश के धार्मिक कार्यों को उसके प्रशासनिक और धर्मनिरपेक्ष कार्यों से स्थायी रूप से अलग करने का प्रयास करती है, या बाद वाले कार्यों को किसी अन्य व्यक्ति को अनिश्चित काल के लिए सौंपती है, भले ही वैध मठाधिपति अपने पद पर बना रहे, वह महंत पद की मूल अवधारणा का ही खंडन मानी जाएगी।

रेप पीड़िता को गर्भपात की अनुमति : हाईकोर्ट ने कहा प्रजनन अधिकारों का सम्मान जरूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में 16 वर्षीय रेप पीड़िता को गर्भपात कराने की इजाजत दे दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी महिला को अपने शरीर और प्रजनन संबंधी निर्णय लेने का पूरा अधिकार है, इस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त जीवन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान, विशेष लोक अभियोजक सविता पाठक ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में सामने आया कि पीड़िता करीब सात सप्ताह की जुड़वा बच्चों की गर्भावस्था से गुजर रही थी, जिसमें 19 मार्च को प्रयागराज के महिला अस्पताल में हुए अल्ट्रासाउंड में दोनों भ्रूण जीवित पाए गए थे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू कनौजिया की पीठ ने सुनवाई कर महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता और प्रजनन संबंधी निर्णयों के सम्मान पर जोर दिया। इलाहाबाद की अदालत ने आदेश में कहा कि नाबालिगों और अनचाही गर्भावस्था से जुड़े मामलों में महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर अनावश्यक बाधाएं नहीं लगा सकतीं, क्योंकि ऐसा करना उनके संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने जैसा होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की कि पीड़िता के परिजनों ने 9 मई को ही जांच अधिकारी को गर्भावस्था की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद गर्भपात की प्रक्रिया को लेकर समय पर कोई कदम नहीं उठाया गया। मामले की परिस्थितियों और पीड़िता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अदालत ने गर्भपात की अनुमति को उचित ठहराया और संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को कानून के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राहुल ने अभिषेक का जाना हाल कहा- हैदराबाद में करा सकते हैं इलाज

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार देर रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें स्ट्रेचर के जरिए उनके घर ले जाया गया। हालांकि, घर पहुंचने के बाद अभिषेक के सीढ़ियां चढ़ने का एक वीडियो सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों को लगातार धमकियां दी जा रही थीं। वहीं दूसरी तरफ इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ममता बनर्जी से फोन पर बातचीत की। ममता ने बताया कि राहुल गांधी ने फोन कर अभिषेक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और कहा कि यदि किसी भी तरह की जरूरत पड़े, तो उन्हें सूचित करें। उन्होंने अभिषेक के लिए हैदराबाद में बेहतर इलाज की व्यवस्था कराने की पेशकश भी की।

मिंटो पार्क स्थित अस्पताल के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अभिषेक का इलाज अब घर पर ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास एक पारिवारिक डॉक्टर हैं, जो घर पर ही इलाज की व्यवस्था संभालेंगे। अस्पताल को धमकियां मिलने के कारण वे सुचारू रूप से इलाज नहीं कर पा रहे थे। अभिषेक को सलाइन दी जा चुकी है और अब उनका आगे का उपचार घर पर ही जारी रहेगा। उन्होंने घटना की गंभीरता को रेखांकित करते हुए दावा किया कि जिस प्रकार की हिंसा और पत्थरबाजी हुई, उससे अभिषेक बनर्जी की जान भी जा सकती थी।

इस घटना को अत्यंत बर्बर करार देते हुए ममता ने कहा कि राज्य की राजनीति में ऐसा हिंसक व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि सीपीएम 34 साल तक सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने भी कभी ऐसा कदम नहीं उठाया। आज जो कुछ भी हुआ, वह बेहद अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों, डॉक्टरों और आम लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है, जिसका जवाब राज्य की जनता ही देगी। उन्होंने कहा कि अभिषेक आज केवल जनता की शुभकामनाओं और समर्थन की वजह से सुरक्षित हैं। इस घटना के विरोध में तृणमूल कांग्रेस ने अब राजनीतिक आंदोलन तेज करने के संकेत दिए हैं। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ता रविवार से ही विभिन्न विरोध कार्यक्रम शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दो तारीख से बड़े पैमाने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके तहत रानी रश्मोनी एवेन्यू सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर राजनीतिक प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। फिलहाल पार्टी नेताओं का कहना है कि अभिषेक बनर्जी की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से मिले 7 जिंदा कारतूस, मचा हड़कंप

मुंबई जाने की तैयारी में था यात्री, वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्री को तत्काल हिरासत में ले लिया और बाद में उसे एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार यात्री की पहचान महाराष्ट्र के पुणे जिले के फुरसुंगी निवासी संतोष तिवारी के रूप में हुई है। वह पटना से मुंबई जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग को स्कैनर से गुजारा गया, जहां संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सुरक्षा अधिकारियों ने जब संतोष तिवारी से कारतूसों के संबंध में पूछताछ की और उनके वैध लाइसेंस या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास कारतूस रखने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने से संबंधित कोई अधिकृत दस्तावेज भी नहीं मिला। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की गई, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कारतूस उसके बैग में कैसे पहुंचे और उन्हें मुंबई ले जाने का उसका क्या उद्देश्य था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया तथा बरामद कारतूस और अन्य सामान को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

युवती के बैग से मिला कारतूस का खोखा

इसी दिन एयरपोर्ट पर एक अन्य घटना भी सामने आई। सुरक्षा जांच के दौरान एक युवती के बैग से कारतूस का एक खोखा बरामद हुआ। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की। युवती ने दावा किया कि उसे यह खोखा रास्ते में पड़ा मिला था और जिज्ञासावश उसने उसे उठाकर अपने बैग में रख लिया था। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इन घटनाओं के बीच कोई संबंध तो नहीं है।

बंगाल सीमा पर शुरू हुई फेंसिंग, किसान बोले- अब फसलें नहीं लूट पाएंगे घुसपैठिए

-मुर्शिदाबाद से कूचबिहार तक तेज हुआ सीमांकन और सुरक्षा ढांचे का काम

-45 दिनों में 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को देने का लक्ष्य

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के खुले और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने कई स्थानों पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी घुसपैठ और फसलों की चोरी जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार क्षेत्र में जीरो लाइन पर स्थित सकारपाड़ा गांव इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। करीब चार हजार की आबादी और ढाई हजार मतदाताओं वाले इस गांव की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। गांव की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घरों के बाद खेत और खेतों के बाद सीधे बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। लंबे समय से यहां रहने वाले किसानों को सीमा पार से आने वाले लोगों द्वारा फसल नुकसान और अतिक्रमण की शिकायतों का सामना करना पड़ता रहा है।

ग्राम पंचायत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि भारतीय किसानों को सुरक्षा कारणों से शाम पांच बजे के बाद खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि सीमा पार से लोग कई बार खेतों में घुसकर फसलें काट ले जाते थे। उनका कहना है कि पिछले तीन दशकों में शायद ही कोई महीना ऐसा बीता हो, जब इस तरह के विवाद सामने न आए हों। अब फेंसिंग शुरू होने और बीएसएफ की निगरानी बढ़ने से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सुरक्षा मिलने का विश्वास

ग्रामीणों के अनुसार, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल चेतावनी देते हैं। इससे किसानों को विश्वास मिला है कि उनकी मेहनत की फसल अब पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। नई सरकार के गठन के बाद राज्य प्रशासन ने सीमा सुरक्षा परियोजनाओं के लिए बीएसएफ को अब तक 27 किलोमीटर क्षेत्र की जमीन उपलब्ध कराई है। इनमें 18 किलोमीटर हिस्से में फेंसिंग और नौ किलोमीटर क्षेत्र में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित किए जाने की योजना है। फिलहाल जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों में काम शुरू किया गया है।

जमीन उपलब्ध कराने में मुर्शिदाबाद सबसे आगे

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद जिले में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। राज्य सरकार ने अगले 45 दिनों के भीतर कुल 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है, ताकि सीमा पर कंटीले तारों की बाड़, चौकियां और अन्य सुरक्षा ढांचे विकसित किए जा सकें।

115 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को एबीवीपी ने किया सम्मानित

ग्रामीण छात्रों में असीम क्षमता, जरूरत सही दिशा की : लोबिन

बिभा संवाददाता

तालझारी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तालझारी नगर इकाई द्वारा रविवार को भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में दसवीं और बारहवीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 115 मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल, प्रमाण पत्र और सम्मान देकर उत्साहवर्धन किया गया। वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम, एबीवीपी झारखंड के प्रदेश सहमंत्री बम भोला उपाध्याय, विभाग संयोजक संजय दत्त, प्रदेश एसएफएस सह संयोजक गौरव कुमार सुमन और नगर मंत्री सौरभ गुप्ता ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं समारोह को संबोधित करते हुए लोबिन हेंब्रम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में असीम प्रतिभा छिपी होती है। जरूरत सिर्फ सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई उड़ान देते हैं। वहीं प्रदेश सहमंत्री बम भोला उपाध्याय ने छात्रहितों को लेकर एबीवीपी द्वारा किए गए आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति और क्लस्टर सिस्टम के मुद्दे पर परिषद की लड़ाई ने हजारों विद्यार्थियों को राहत दिलाई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद अंतिम पंक्ति में खड़े छात्र की आवाज बनने का कार्य कर रही है। वहीं प्रदेश एसएफएस सह संयोजक गौरव कुमार सुमन ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता की पहली सीढ़ी पर रुकना नहीं है, बल्कि इसे नई शुरूआत बनाकर आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि मेहनत, संघर्ष और चरित्र ही व्यक्ति की असली पहचान बनते हैं। वहीं समारोह में तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय व रेंजर पंचम दुबे ने भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। वहीं मंच संचालन लक्ष्मी कुमारी और सन्नी सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर हीरा प्रसाद, नंदू रजक, अभिषेक सिद्धार्थ, बिरू कुमार, आशीष गुप्ता, पीयूष उपाध्याय, प्रिंस गुप्ता, सुहानी कुमारी, आरती एक्का, शिवम कुमार साह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और विद्यार्थी उपस्थित थे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गायत्री परिवार ने निकाली नशा उन्मूलन रैली

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को गायत्री परिवार की ओर से शहर में नशा उन्मूलन रैली निकाली गई। रैली में शामिल लोगों ने ह्लनशा नाश की जड़ है भाई, इनसे दूर रहो मेरे भाईह्व जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। वहीं रैली का शुभारंभ शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ से किया गया। गायत्री परिवार की महिला मंडल की सदस्यों ने नशा मुक्ति को लेकर प्रभावकारी संदेश दिया। इस दौरान शक्तिपीठ की देवालय संचालन प्रभारी सरिता पोद्दार ने कहा कि किसी भी प्रकार का व्यसन व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्वास्थ्य को पूरी तरह प्रभावित करता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरे परिवार का सुख और भविष्य भी बर्बाद हो जाता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को नशा से दूर रहने का सामूहिक संकल्प भी दिलाया। रैली गायत्री शक्तिपीठ से निकलकर ग्रीन होटल मोड़, स्टेशन चौक और पटेल चौक तक पहुंची। बाद में करुणामई भारती और मधु कुमारी ने भी लोगों को संबोधित किया। मौके पर युवा समन्वयक ओम प्रकाश उरांव, हरिहर प्रसाद मंडल, राजकिशोर राय, सत्यदेव सिंह, डॉ. राधा मोहन मंडल, शिवशंकर निराला, निभा देवी, रेखा देवी, किरण देवी, प्रियंका सोनी, सरिता पोद्दार, करुणामई भारती, मीनू शर्मा, अनीता देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

इंटरनेट : वरदान या अभिशाप विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

साहेबगंज(बिभा)। शिक्षा केंद्र, साहेबगंज में विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं तार्किक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ह्लइंटरनेट : वरदान या अभिशापह्व विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के निदेशक अनिकेत कुमार थे। मुख्य अतिथि के रूप में मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षा परियोजना के सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार तिवारी एवं शिक्षक मनोहर कुमार शर्मा मौजूद थे। वहीं प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने इंटरनेट के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्षों पर प्रभावशाली ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने इंटरनेट को ज्ञान, शिक्षा एवं वैश्विक जानकारी का महत्वपूर्ण माध्यम बताया, वहीं सोशल मीडिया की लत, ऑनलाइन गेमिंग, साइबर अपराध एवं भ्रामक सूचनाओं के दुष्प्रभावों पर भी अपने तर्क रखे। कक्षा 9वीं में अंकित मंगल प्रथम, सानिया खातून द्वितीय एवं मनीषा कुमारी तृतीय रहीं। कक्षा 10वीं में जिया कुमारी प्रथम, नीति कुमारी द्वितीय एवं सुरुचि कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। इंटर विज्ञान वर्ग में छोटी कुमारी प्रथम, मोनिका कुमारी द्वितीय एवं अनुराग कुमार तृतीय रहे। वहीं मुख्य अतिथि डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि इंटरनेट शिक्षा और अनुसंधान का प्रभावी माध्यम है, लेकिन इसका उपयोग विवेकपूर्ण एवं जिम्मेदारीपूर्वक किया जाना चाहिए। अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सुतियारपाड़ा में खाना बनाने के दौरान आग लगने से एक घर जलकर राख

उधवा(बिभा)। उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुतियारपाड़ा पंचायत में रविवार की रात्रि करीब 8 बजे एक घर में खाना बनाने के दौरान अचानक आग लग गई। आगलगी की घटना में एक घर जलकर राख हो गया। जिससे हजारों रुपए का नुकसान हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सुतियारपाड़ा निवासी काली चरण दास की बेटी रसोईघर में गैस सिलेंडर में खाना बना रही थी। इसी बीच अचानक सिलेंडर से धुंआ उठने लगी। इतने में सिलेंडर में आग पकड़ लिया और आग की लपटे काफी तेज हो गई। जिससे गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से आग और विकराल रूप धारण कर लिया। आग घरों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते घर धूं-धूं कर जलकर राख हो गया। आगलगी की खबर सुनते ही आसपास लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्नि पीड़ित परिवार के अनुसार आगलगी की घटना में एक घर जलकर राख हो गया। साथ ही घरों में रखें अनाज, बिस्तर, कपड़ा,घरेलू सामान एवं नगदी जलकर राख हो गया है। वहीं अग्नि पीड़ित परिवार ने अंचल प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

कार्मिक विभाग ने आयुक्त को पहाड़िया समुदाय को जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने का दिया निर्देश

देवघर(बिभा)। कार्मिक विभाग के उपसचिव संजय कुमार रजक ने प्रमंडलीय आयुक्त को दुमका, गोड्डा और देवघर जिलों में विभिन्न टाइटल (उपनाम) धारण करने वाले आदिम जनजाति माल पहाड़िया समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश दिया है। पत्र लिखकर उन्होंने उल्लेख किया है कि विधायक प्रदीप यादव और राजद विधायक सुरेश पासवान, जो अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति के सभापति हैं, की ओर से उठाए गए प्रश्न पर यह मामला संज्ञान में आया है। समिति ने संथाल परगना के गोड्डा, दुमका और देवघर जिलों में विभिन्न टाइटल एवं उपनाम धारण करने वाले माल पहाड़िया समुदाय के लोगों को जाति प्रमाण-पत्र जारी करने में आ रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया था। पत्र में विशेष रूप से कादर, लैया, लाया, नैया, निर्ईया, पुजहर उपनामों वाले व्यक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि उन्हें आदिम जनजाति माल पहाड़िया (अनुसूचित जनजाति) का प्रमाण-पत्र जारी करने में व्यावहारिक समस्याएं सामने आ रही हैं। उपसचिव ने अपने निर्देश में कहा है कि संबंधित पत्रों की छायाप्रति और संलग्नक के साथ सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया जाए। साथ ही कार्मिक विभाग के परिपत्र पर नियमानुसार पात्र व्यक्तियों को जाति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। इस निर्देश से संथाल परगना क्षेत्र के माल पहाड़िया समुदाय के उन लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें उपनाम अथवा टाइटल संबंधी विसंगतियों के कारण अनुसूचित जनजाति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर डीएलएसए का जागरूकता अभियान

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए तंबाकू से दूरी बनाना अत्यंत आवश्यक : सिंधु नाथ लामाये

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिलेभर में पीएलवी न्याय मित्रों द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं अभियान के तहत विभिन्न पंचायतों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, शैक्षणिक संस्थानों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। बैनर, पोस्टर एवं जागरूकता पंपलेट के माध्यम से तंबाकू से होने वाली गंभीर बीमारियों तथा इसके सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्राधिकार के प्रभारी सचिव सह मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लामाये ने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग एवं फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए तंबाकू से दूरी बनाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने तंबाकू नियंत्रण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषिद्ध है तथा तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं प्रचार-प्रसार को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कानूनी प्रावधान लागू हैं। साथ ही युवाओं एवं किशोरों से नशामुक्त जीवन अपनाने की अपील की। वहीं कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं, नशामुक्ति कार्यक्रमों एवं निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी भी दी गई। लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, ताकि जरूरतमंद लोग विधिक सहायता एवं परामर्श प्राप्त कर सकें।

अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना, स्वास्थ्य के अधिकार को बढ़ावा देना तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ साहेबगंज के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए ह्लतंबाकू मुक्त साहेबगंज, स्वस्थ साहेबगंजह्व का सामूहिक संकल्प लिया।

कुटुंब प्रबोधन बैठक में नई जिम्मेदारियों का ऐलान, पारिवारिक मूल्यों पर हुआ मंथन

बिभा संवाददाता

बरहरवा। बाबूलाल नंदलाल बोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरहरवा में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से कुटुंब प्रबोधन विषयक बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवार संस्था को मजबूत बनाने, पारिवारिक संस्कारों के संरक्षण और सामाजिक मूल्यों के संवर्धन को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में विभाग संघचालक राजकुमार की उपस्थिति में कुटुंब प्रबोधन के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए समाज में पारिवारिक जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। वहीं कार्यक्रम में पाकुड़ जिला संघचालक श्रवण महतो, विभाग संयोजक मनोज कुमार रजक, नगर व्यवस्था प्रमुख जवाहरलाल भगत, साहेबगंज जिला कुटुंब प्रबोधन संयोजक संजीव कुमार यादव, पाकुड़ जिला कुटुंब प्रबोधन संयोजक संजीव कुमार झा, बरहरवा प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार आजाद एवं विश्वनाथ भगत सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए विभाग संघचालक राजकुमार ने संगठनात्मक विस्तार को गति देने के उद्देश्य से नई जिम्मेदारियों की घोषणा की। उन्होंने प्रमोद कुमार आजाद को साहिबगंज विभाग का कुटुंब प्रबोधन सह-संयोजक तथा विश्वनाथ भगत को नवदंपत्ति प्रबोधन का संयोजक नियुक्त किए जाने की घोषणा की। वहीं बैठक के अंत में सभी कार्यकताओं ने परिवार और समाज को सशक्त बनाने का संकल्प लिया तथा शांति मंत्र के पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली सुभाष चौक से शुरू होकर चैती दुर्गा मंदिर होते हुए गांधी चौक तक पहुंची। इस दौरान जागरूकता रथ को उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, जिला नोडल पदाधिकारी एनसीडी डॉ. मुकेश कुमार एवं डॉ. महमूद आलम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया गया कि यह जागरूकता रथ पूरे जिले में भ्रमण कर लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेगा। कार्यक्रम के माध्यम से जिलेवासियों को तंबाकू का सेवन नहीं करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। वहीं सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने कहा कि तंबाकू का सेवन कई गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों को जन्म देता है। बीड़ी, सिगरेट, गुटखा एवं अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से कैंसर, हृदय रोग तथा फेफड़ों से संबंधित बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों से तंबाकू से दूरी बनाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। वहीं सीएचसी चिकित्सा प्रभारी डॉ. महमूद आलम ने कहा कि जनभागीदारी और जागरूकता के माध्यम से ही तंबाकू मुक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान सभी स्वास्थ्यकर्मियों, चिकित्सकों एवं ग्रामीणों को तंबाकू मुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाया गया। मौके पर डॉ. किरण माला, डॉ. मुकेश कुमार, डीपीएम, बीपीएम मनोज यादव समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

मनरेगा कर्मियों ने सरकार की चेतावनी का किया विरोध, 2 जून से मंत्री आवास घेराव का ऐलान

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मनरेगा कर्मचारी संघ जिला साहेबगंज की हड़ताल को लेकर रविवार को जिला अध्यक्ष मु. अनवारूल हसन की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा आयुक्त एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के साथ प्रदेश स्तरीय वार्ता और समझौता विफल होने के बाद उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की गई। साथ ही सरकार की दमनात्मक नीति के विरोध में आगे की रणनीति तय की गई। वहीं बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मांगों की पूर्ति हुए बिना कोई भी मनरेगा कर्मी योगदान नहीं देगा। संघ ने मनरेगा आयुक्त द्वारा जारी पत्र एवं उप विकास आयुक्त साहेबगंज के आदेश को असंवैधानिक बताते हुए इसका जोरदार विरोध किया। संघ का कहना है कि 1 जून 2026 तक योगदान नहीं करने पर संविदा भंग करने की चेतावनी कर्मचारियों के अधिकारों का हनन है। वही संघ ने बताया कि झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ प्रदेश कमेटी के आह्वान पर 2 जून से 5 जून तक ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह के खिरौंधी स्थित आवास का घेराव किया जाएगा। इस कार्यक्रम में साहेबगंज जिले के सभी मनरेगा कर्मियों के शामिल होने का निर्णय लिया गया है। वहीं संघ की प्रमुख मांगों में सभी मनरेगा कर्मियों को ग्रेड पे आधारित वेतन एवं स्थायी समायोजन, मृत कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी और मुआवजा, सामाजिक सुरक्षा तथा हड़ताल अवधि सहित लंबित मानदेय का भुगतान शामिल है। मौके पर निरंजन कुमार ओझा, अशोक कुमार सिंह, कन्हैया कुमार, दिनेश कुमार पंडित, मनोज दुबे, अरुण कुमार उपाध्याय, विश्वनाथ शाह, सोनी कुमारी, बबीता दत्ता, सुकृति मंडल, जॉन बेसरा, मो. माउद, मो. अशरफ अली, मनोज यादव, अनूप कुमार, अमर कुमार दान सहित कई मनरेगा कर्मी उपस्थित थे।

33वें स्थापना दिवस पर चांय समाज ने भरी नई हुंकार, समिति के पुनर्गठन का ऐलान

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड चांय विकास संघर्ष समिति के 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मोकिमपुर पंचायत के कमलैन बगीचा गांव में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चांय समाज की सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई तथा संगठन को नई दिशा देने के लिए समिति के पुनर्गठन की घोषणा की गई। वहीं समारोह की अध्यक्षता करते हुए समिति के संयोजक नरेश चंद्र मंडल ने कहा कि वर्ष 1993 में कुछ साथियों के सहयोग से संगठन की नींव रखी गई थी। उस समय समाज को जागरूक करने के लिए लगातार संघर्ष किया गया, जिसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिला। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता से राजमहल क्षेत्र में दो बार विधायक चुना गया, लेकिन बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों से समाज कमजोर पड़ता गया। उन्होंने लोगों से फिर से संगठित होकर समाज के अधिकारों और भविष्य के लिए आगे आने की अपील की। साथ ही कहा कि समिति की निष्क्रियता को देखते हुए जल्द ही नए सिरे से संगठन का गठन किया जाएगा, ताकि नई सोच और ऊर्जा के साथ समाजहित में कार्य हो सके।

जिलाध्यक्ष राजेश मंडल ने कहा कि स्थापना दिवस कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और समाज के लोगों का साथ ही उत्साहजनक सहयोग मिला। उन्होंने चांय जाति को झारखंड में अनुसूचित जाति का दर्जा देने की पुरानी मांग को दोहराते हुए कहा कि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में इस समाज को एससी का दर्जा प्राप्त है, जबकि झारखंड में अब तक यह मांग लंबित है। वहीं कार्यक्रम में समाज के विकास, शिक्षा, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक उत्थान जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर अनिल सरकार, हरिदास मंडल, ओम प्रकाश मंडल, दीप नारायण मंडल, अशोक मंडल, वरुण मंडल और दुर्गा मंडल समेत कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वहीं समारोह में अमित मंडल, श्रवण मंडल, निहार रंजन, प्रकाश मंडल, दिवाकर मंडल, छेदन मंडल सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

अनियंत्रित हाइवा पेड़ तोड़ते हुए घर में घुसा, चालक केबिन में फंसा

बिभा संवाददाता

दुमका। हंसडीहा-देवघर एनएच-133 पर धमना कुंडा मोड़ के पास रविवार तड़के करीब ढाई बजे रात एक अनियंत्रित हाइवा सड़क किनारे पेड़ को तोड़ते हुए एक घर में जा घुसा।

हादसे में हाइवा चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना से अवर निरीक्षक जिम्मी हांसदा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

चालक को सुरक्षित निकालने के लिए गैस कटर, क्रेन और जेसीबी की व्यवस्था की गई। करीब ढाई घंटे तक राहत और बचाव कार्य चलने के बाद सुबह करीब साढ़े पांच बजे चालक को केबिन से बाहर निकाला जा सका।

मिली जानकारी के अनुसार, देवघर से हंसडीहा के रास्ते होकर हाइवा सारठ क्षेत्र से बालू लोड कर पश्चिम बंगाल जा रहा था। इस हादसे में शंकर राय के मकान का बाहरी हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घर के कई सीमेंट के बने पिलर को तोड़ डाला। हालांकि घर के अंदर मौजूद सभी लोग सुरक्षित बच गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बचाव कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी सक्रिय सहयोग किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहती हो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की ज्ञ20 सीरीज में अब दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता सिंगापुर ओपन का खिताब, रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने रविवार को पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां BWF विश्व टूर खिताब है।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे।

सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईढ्ढ) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान. वैभव सूर्यवंशी का शानदार आगाज

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया

काकामिगहारा । भारतीय भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जापान के काकामिगहारा में खेले जा रहे महिलाओं के अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने मलेशिया को भी हराया था। भारत की ओर से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने एक-एक गोल किया। वहीं कोरया की आर से एकमात्र गोल ग्योंगमिन रयू ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। चौथे मिनट में नौशीन ने एक पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने लगातार दबाव बनाये रखा। दूसरे क्वार्टर के 21वें मिनट में श्रुति कुमारी के एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक भारतीय टीम बढ़त बनाये हुए थी।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लॉगर नहीं अद्भुत खिलाड़ी

टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शॉट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लॉगर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शॉट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लॉगर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फॉर्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सकें। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है। क्वाली फायर मैच में इस 15 साल के क्रिकेटर ने 97 और 96 रनों की आक्रामक पारियां खेलकर अपने को साबित किया।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

-नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही हैं। उनका ध्यान स्ट्राइक बदलते रहने और यशस्वी जायसवाल तथा वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मदद करने पर रहता है, जिससे टीम के लिए बड़ी साझेदारियां बनती रहे हैं।

तीन देशों की सीरीज के लिए रियान की जगह पर ऋतुराज भारत ए टीम में शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि रियान पराग चोटिल होने के कारण भारत ए टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर ऋतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। पराग हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के लिए लगभग तीन महीने का समय लगेगा। बीसीसीआई ने कहा है कि पराग के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा की जाएगी, जिससे वे पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सकें। उनकी अनुपस्थिति में ऋतुराज को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला है। भारत ए टीम , श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के साथ ही तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से श्रीलंका में खेलेगी। इससे युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छ अवसर मिलेगा। इस तरह की सीरीज से भविष्य के युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। बीसीसीआई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में ऋतुराज को शामिल किया है। उन्होंने उप-कप्तान रियान पराग की जगह ली है जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। रिलीज में आगे कहा गया, रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी। गायकवाड़ को टीम का उप-कप्तान भी नियुक्त किया गया है, जो इस टूर्नामेंट में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम इस प्रकार है- तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो । इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है – चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

यौन शोषण मामले में क्रिकेट कोच को 16 साल की सजा, 24,000 रुपये जुर्माना भी लगा

तिरुवनंतपुरम । तिरुवनंतपुरम की एक विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्रा के यौन शोषण मामले में दोषी पाये गये क्रिकेट कोच मनु एम को 16 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वल्लाकडावु निवासी मनु एम पर आरोप था कि उसने क्रिकेट कोचिंग के दौरान कई छात्राओं का यौन शोषण किया। इस मामले में अदालत ने उसे दोषी पाते हुए सजा सुनाने के साथ ही 24,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फैसले में कहा गया है कि यदि दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त ढाई साल की जेल की सजा भुगतनी होगी। यह मामला तिरुवनंतपुरम के एक प्रतिष्ठित क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ा है, जहाँ कई छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ सामने आईं, जिससे पूरे खेल जगत में हड़कंप मच गया। जांच में पाया गया कि आरोपी कोच विशेष फिटनेस और प्रशिक्षण के बहाने छात्राओं को अकादमी के जिम में ले जाता था और वहीं उनका यौन शोषण करता था। उसकी यह हरकतें यहीं तक सीमित नहीं थीं; उसने कुछ छात्राओं से आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने की भी मांग की थी। छात्राओं द्वारा उसकी अनुचित मांगों को इनकार करने पर, वह उन्हें उचित क्रिकेट प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने से कतराता था, जिसके कारण उन्हें भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लगातार हो रहे उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के कारण कई छात्राओं को मजबूरन अकादमी को छोड़ना पड़ा था।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

-सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौंसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी। इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया। विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।

आरबीआई, जीडीपी और वैश्विक आंकड़े तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

पिछली गिरावट के बाद निवेशक सतर्क, जून के पहले हफ्ते में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर रहेगी पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ समाप्त किया, लेकिन निवेशकों की असली परीक्षा अब आने वाले सप्ताह में होगी। 1 जून से 5 जून के बीच कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़े और नीतिगत फैसले बाजार की चाल को निर्धारित करेंगे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, देश की जीडीपी रिपोर्ट, पीएमआई आंकड़े और अमेरिका से आने वाले रोजगार संबंधी डेटा निवेशकों के लिए अहम साबित होंगे। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.85 फीसदी टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 0.72 फीसदी गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। अब बाजार की नजर अगले हफ्ते (1 जून से 5 जून) आने वाले कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों पर रहेगी, जो बाजार की अगली दिशा तय करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में 1 जून को मई महीने के मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आंकड़े जारी होंगे, जो देश की औद्योगिक गतिविधि का संकेत देंगे। इसी दिन ऑटो कंपनियों की बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो उपभोक्ता मांग की तस्वीर स्पष्ट करेंगे। इसके बाद, 5 जून को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की आर्थिक वृद्धि दर का मूल्यांकन करेगा और निवेशकों को अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत समझने में मदद करेगा। इस दौरान निवेशकों की सबसे बड़ी नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर होगी, जो 3 से 5 जून तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून की सुबह फैसलों का एलान करेंगे। बाजार बेसब्री से यह देखना चाहेगा कि क्या ब्याज दरों में कोई बदलाव होगा या दरों को स्थिर रखा जाएगा। यह फैसला बैंकिंग शेयरों और ऋण बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, 3 जून को अमेरिका से रोजगार और सर्विस सेक्टर से जुड़े अहम आंकड़े आएंगे, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देंगे और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर कटौती की संभावनाओं पर असर डालेंगे। 5 जून को अमेरिका में बेरोजगारी दर के आंकड़े भी जारी होंगे। इसके अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका-ईरान संबंधों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें भारतीय महंगाई दर को सीधे प्रभावित करती हैं। आने वाला सप्ताह भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाडा

नई दिल्ली ।

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है। नए-नए मॉडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं।

पेट्रोल पर 1.5 और डीजल पर 13.50 रुपए की टैक्स कटौती करेगी सरकार

1 जून से लागू होंगी नई दरें, कच्चे तेल की नरमी के बीच सरकार का फैसला

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला 1 जून से प्रभावी होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी देखने को मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है, लेकिन इस कटौती का घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह केवल निर्यात पर लगने वाले कर में बदलाव है। सरकार की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले कर में 1.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। वहीं डीजल के निर्यात पर 13.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल के निर्यात पर 9.5 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। सरकार ने यह विशेष कर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगाया था। आखिरी बार इसमें 16 मई को संशोधन किया गया था। घरेलू बाजार में रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों ने पिछली बार सोमवार को घरेलू स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी। देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। देश के कई शहरों में पेट्रोल का दाम 110 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। हैदराबाद में यह 115 रुपये से भी अधिक है, जबकि कोलकाता में भी 1 लीटर पेट्रोल के लिए लोगों

को 110 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। सरकार ने पहले घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की थी, जिसमें तब से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

त्रिवेणी इंजीनियरिंग का मुनाफा घटकर 167 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मुनाफा आठ प्रतिशत घटकर 167.45 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से गन्ने की लागत बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ घटा है।

कंपनी का 2024-25 की समान तिमाही में मुनाफा 183 करोड़ रुपये था। एकीकृत चीनी और एथनॉल उत्पादक कंपनी त्रिवेणी इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 1,842.15 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,934.53 करोड़ रुपये थी। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 268.71 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 243.19 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय बढ़कर 7,697.03 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,865.58 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 16.64 लाख करोड़ के आंतरिक लेनदेन की मंजूरी मांगेगी

मुख्यतः जियो और रिटेल इकाइयों के बीच होंगे सौदे, पांच वित्त वर्षों तक चलेगा यह सिलसिला

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले पांच वित्तीय वर्षों के लिए 16.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के विशाल आंतरिक लेनदेन को अपनी डिजिटल और खुदरा सहायक कंपनियों, जियो प्लेटफॉर्म्स और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ आगे बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। यह प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रखा जाएगा। कंपनी द्वारा दाखिल नोटिस के अनुसार इस प्रस्तावित लेनदेन का सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस रिटेल द्वारा रिलायंस जियो को दिया जाएगा, जो दूरसंचार सेवाओं की बिक्री के बदले में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। वित्तीय वर्ष 2027-28 में 2.20 लाख करोड़ रुपये और उसके बाद 2028-29 से 2031-32 तक प्रत्येक वर्ष 2.80 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन का अनुमान है। इसके अतिरिक्त रिलायंस जियो द्वारा दूरसंचार नेटवर्क विस्तार के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) आधार पर आरआईएल को 76,800 करोड़ रुपये का भुगतान भी प्रस्तावित है। आरआईएल ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नया लेनदेन नहीं है, बल्कि मौजूदा मंजूर व्यवस्थाओं की निरंतरता है जिसके लिए शेयरधारकों की सहमति मांगी जा रही है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित हलचल, सरसों-बिनौला चमके, सोया-पाम फिसले!

तिलहन उत्पादन पर संकट, धान की ओर बढ़ते किसानों पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में मई 2026 के अंतिम सप्ताह में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर अचार कंपनियों की बढ़ती मांग और मंडियों में कमजोर आवक ने सरसों व बिनौला तेल की कीमतों को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले शानदार रिकवरी के चलते सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आगामी बरसात को देखते हुए अचार बनाने वाली कंपनियों की बढ़ी खरीदारी और सरसों की कमजोर आवक ने इसके दामों को मजबूत किया। इसी क्रम में, कपास की आवक घटने से बिनौला तेल की उपलब्धता प्रभावित हुई, जिससे इसकी कीमतों में भी सुधार आया। सरकार ने कपड़ा मिलों को राहत देने के लिए कपास पर लगने वाले 10 फीसदी आयात शुल्क को शून्य कर दिया है। इसके विपरीत, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शानदार रिकवरी ने विदेशों से खाद्य तेलों का आयात सस्ता कर दिया। इस वजह से सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेलों में गिरावट दर्ज हुई। सरकार ने कच्चे पाम तेल और पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की, जबकि सोयाबीन डीगम तेल के शुल्क मूल्य में कमी की। महाराष्ट्र और तेलंगाना में नेफेड द्वारा सोयाबीन बेचने के लिए कम बोली वाली निविदाएं निरस्त कर दी गईं, जिसके बाद जानकारों ने किसानों के हित में अगले कुछ महीनों तक सोयाबीन की सीमित बिक्री की सिफारिश की है। मूंगफली तेल के दाम इस हफ्ते स्थिर बने रहे। यह फिलहाल आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता मिल रहा है, हालांकि इसका दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहा है। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में एक मिली-जुली तस्वीर सामने आई जहां सरसों और बिनौला तेल के भावों में तेजी दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन और पाम तेल गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, बाजार विशेषज्ञों ने देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों के धान की ओर बढ़ते रुझान पर चिंता जताई है। बंद भावों के अनुसार, सरसों दाना 150 रुपए की तेजी के साथ 7,775-7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

सरसों तेल (थोक) और बिनौला तेल में भी क्रमशः 50 और 75 रुपए प्रति क्विंटल का सुधार देखा गया। दूसरी ओर, सोयाबीन दाना 200 तक टूटकर 7,425-7,475 रुपए प्रति क्विंटल

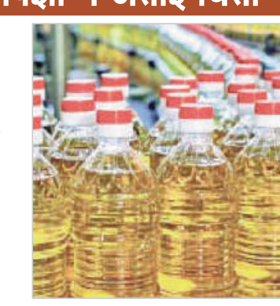

रहा, जबकि सोयाबीन तेल में 100 से 140 रुपए तक की गिरावट आई। पाम ऑयल भी 25 से 125 रुपए तक फिसला। मूंगफली तेल स्थिर बना रहा। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि पारंपरिक तिलहन उत्पादक राज्यों में किसानों के धान की खेती की ओर मुड़ने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि इन मुद्दों को हल करके ही भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अदाणी समूह की नई उड़ान, कानूनी चुनौतियों से बाहर आकर ऊर्जा-डिजिटल इंफ्रा पर फोकस

गौतम अदाणी बोले- समूह ने अमेरिकी मामलों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को भेजे अपने वार्षिक पत्र में घोषणा की है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है। अब समूह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की गति बढ़ा रहा है, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली विशाल मांग को पूरा करने के लिए। गौतम अदाणी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की चुनौतियों और गहन जांच-पड़ताल के बावजूद, समूह अपनी विस्तार रणनीति पर अडिग रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामले अब पीछे छूट चुके हैं, और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर केंद्रित है। अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को उन्होंने निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस) पर जोर दिया। उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश आवश्यक होगा, क्योंकि एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है। समूह ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय किया है। प्रमुख उपलब्धियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा 5.1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़कर कुल 19 गीगावाट से अधिक करना और अदाणी पोर्ट्स द्वारा 50

करोड़ टन से अधिक कार्गो संभालना शामिल है। डिजिटल अवसंरचना में समूह ने 2030 तक दो गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के निर्माण की योजना बनाई है। अदाणी ने दोहराया कि समूह की पहचान चुनौतियों से नहीं, बल्कि उनके प्रति उसकी प्रतिक्रिया और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता से होती है।

रिलायंस एआई के दम पर बनेगा देश का अग्रणी मनोरंजन मंच

राजस्व में बंपर उछाल, कंटेंट निर्माण और अनुभव में एआई की मुख्य भूमिका

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने मीडिया और मनोरंजन कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को केंद्रीय भूमिका में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य एआई के माध्यम से देश के हर उपभोक्ता के लिए प्रमुख मनोरंजन मंच बनना है। अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में आरआईएल ने कहा कि एआई मनोरंजन के अगले युग को परिभाषित करेगा और एक अग्रणी मीडिया मंच के रूप में रिलायंस की जिम्मेदारी है कि वह इस बदलाव का नेतृत्व करे। एआई का उपयोग केवल दक्षता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि सामग्री बनाने, उपभोक्ता अनुभव और दर्शक जुड़ाव को मौलिक रूप से नया आकार देने के लिए किया जाएगा। कंपनी के मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार, जिसमें जियोसावन, जियो स्टूडियोज और नेटवर्क18 शामिल हैं, ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्शक संख्या और जुड़ाव के मामले में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। इस अवधि में परिचालन आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 34,917 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 17,762 करोड़ रुपये थी। यह वित्तीय वृद्धि एआई-संचालित नवाचारों के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है।

वैश्विक तनाव से श्रीलंका में ईंधन फिर महंगा

तीन महीनों में पांचवीं बार बढ़े दाम, पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें लागू

कोलंबो ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं का सीधा असर श्रीलंका पर पड़ा है। देश में पेट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है, जो पिछले तीन महीनों में पांचवीं वृद्धि है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने नई दरों की घोषणा की, जो शनिवार आधी रात से प्रभावी हो गई हैं।

नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 24 रुपये महंगा होकर 434 रुपये प्रति लीटर और डीजल 15 रुपये बढ़कर 407 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मिट्टी के तेल की कीमत में भी 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जिससे यह 285 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जनता से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। उनका कहना है कि

पश्चिम एशिया के तनाव के कारण देश पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में 293 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पेट्रोल अब 434 रुपये पर पहुंच गया है। इस बीच श्रीलंकाई रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है, जिससे देश की आर्थिक चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

इरेडा का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर 492.63 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1.77 प्रतिशत घटकर 492.63 करोड़ रुपये रहा।वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का मुनाफा 501.55 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,181.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,915 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,562.14 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,285.91 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में इरेडा का मुनाफा बढ़कर 1,874 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 1,698 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 8,338.89 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,755.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने एक अलग बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक लाभ दर्ज किया है। इरेडा के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 0.75 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। इस प्रकार अंतरिम लाभांश के रूप में दिए गए 0.60 रुपये प्रति शेयर सहित कुल लाभांश 1.35 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की ऋण स्वीकृतियां नौ प्रतिशत बढ़कर 51,883 करोड़ रुपये हो गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 47,453 करोड़ रुपये थीं। वहीं ऋण वितरण 16 प्रतिशत बढ़कर 34,946 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले 30,169 करोड़ रुपये था।

भारतीय इंजीनियरों ने सैमसंग गैलेक्सी एस26 को और भी स्मार्ट बनाया

रांचीः सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के नोएडा स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (एसआरआई-नोएडा) ने इस साल लॉन्च हुई कंपनी की फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज सैमसंग गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए कई एआई फीचर्स विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

एसआरआई-नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्योंगयुन रू ने कहा, हमने करीब तीन साल पहले एआई पर काम शुरू किया था। गैलेक्सी एस26 के लिए हमने दक्षिण कोरिया के सुवॉन आरएंडडी ऑफिस के साथ मिलकर नाउ नज और नाउ ब्रीफ फीचर्स विकसित किए।

नाउ नज यूजर्स को उनकी जरूरत के अनुसार पहले से उपयोगी और संदर्भ आधारित सुझाव देता है, जबकि नाउ ब्रीफ महत्वपूर्ण इवेंट्स और कामों के लिए समय पर रिमाइंडर दिखाता है। एसआरआई-नोएडा के इंजीनियरों ने गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए क्रिएटिव स्टुडियो, कॉल स्क्रीनिंग और डायरेक्ट वॉयसमेल जैसे एआई फीचर्स के विकास में भी योगदान दिया है।

क्रिएटिव स्टुडियो फीचर की मदद से यूजर्स इमेज बना सकते हैं, फोटो एडिट कर सकते हैं, स्टिकर डिजाइन कर सकते हैं और वॉलपेपर तैयार कर सकते हैं। वहीं कॉल स्क्रीनिंग एक पर्सनल असिस्टेंट की तरह काम करता है, जहां एआई कॉल्स का जवाब दे सकता है, उन्हें ट्रांसक्राइब कर सकता है और जरूरी कॉल्स को फिल्टर कर सकता है।

रू ने बताया, डायरेक्ट वॉयसमेल फीचर भारतीय ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया था। इसे पहले गैलेक्सी ए सीरीज के लिए तैयार किया गया था और इस साल इसे पहली बार फ्लैगशिप गैलेक्सी एस26 सीरीज में भी शामिल किया गया है।

साल 2007 में स्थापित एसआरआई-नोएडा का मुख्य फोकस स्मार्टफोन, टैबलेट और वियरेबल्स से जुड़े एआई, तकनीकी विकास और सर्विस डेवलपमेंट पर है। रू ने कहा कि भारतीय उपभोक्ताओं की राय और फीडबैक नए फीचर्स के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इसका उदाहरण प्राइवेसी डिस्प्ले फीचर है, जिसे सैमसंग गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में पहली बार पेश किया गया और जिसे यूजर्स से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

उन्होंने कहा, भारत में लोगों को बहुत सारे ओटीपी मैसेज आते हैं। पारंपरिक प्राइवेसी फिल्म स्क्रीन पर सब कुछ ब्लॉक कर देती थी, लेकिन हमारा नया प्राइवेसी डिस्प्ले केवल नोटिफिकेशन एरिया को एक्टिव रखता है। इससे भारतीय यूजर्स को काफी सुविधा मिलती है। मैं खुद भारत में रहता हूं और मेरे पास भी कई ओटीपी आते हैं, जिन्हें यह फीचर बेहतर तरीके से मैनेज करता है।

एडब्ल्यूएल अब मधुर ब्रांड नाम से बेचेगी चीनी

फॉर्च्यून का चीनी बाजार में प्रवेश; श्री रेणुका शुगर्स के साथ रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली ।

खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने अब चीनी बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। कंपनी ने इसके लिए देश की बड़ी चीनी कंपनियों में से एक श्री रेणुका शुगर्स के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इस करार के तहत एडब्ल्यूएल अब श्री रेणुका शुगर्स के लोकप्रिय और स्थापित ब्रांड 'मधुर' के नाम से चीनी का विपणन करेगी। शेयर बाजारों को को दी गई नियामकीय सूचना के अनुसार, एडब्ल्यूएल एग्री ने पैकेज्ड फूड कारोबार में अपनी बाजार पहुंच को मजबूत करने और वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाली एडब्ल्यूएल इस समझौते के माध्यम से अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

इस व्यवस्था के तहत श्री रेणुका

शुगर्स अपने प्रमुख चीनी ब्रांड मधुर का लाइसेंस एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस को देगी, जिससे फॉर्च्यून की मजबूत वितरण प्रणाली का लाभ मधुर ब्रांड को भी मिल सकेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए लाभकारी मानी जा रही है।

नशा का नाश करें और स्वस्थ रह सबका विकास करें : डॉ. मनोज

बिभा संवाददाता

रांची : मारवाड़ी महाविद्यालय एन.सी.सी. कंपनी द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के दिन एक जागरूकता रैली एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. बैद्यनाथ कुमार,पूर्व परीक्षा नियंत्रक और इग्नू के कॉर्डिनेटर, डॉ. खातिर हेमरोम, विभागाध्यक्ष, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, मारवाड़ी महाविद्यालय रांची एवं लेफ्टिनेंट डॉ. अवध बिहारी महतो, एसोसिएट एन.सी.सी. ऑफिसर सह सहायक प्राध्यापक(खोरठा) विशेष रूप से उपस्थित रहे । यह 'तंबाकू निषेध जागरूकता रैली मारवाड़ी महाविद्यालय से निकलकर महिला प्रभाग, कोतवाली थाना, शहीद चौक से होते हुए शहीद अल्बर्ट एक्का चौक तक गई । नारों द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। यहां प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार द्वारा नशामुक्ति से संबंधित महत्वपूर्ण संदेश दिया । उन्होंने संदेश दिया कि खुद नशा न करें और अपने आसपास के लोगों को भी तम्बाकू और नशापान नहीं करने के लिए प्रेरित करें । तंबाकू और नशापान व्यक्ति, समाज, राज्य, राष्ट्र और विश्व के नाश का साधन है । नशा का नाश करें और स्वस्थ रह सबका विकास करें । जो नशा नहीं छोड़ पा रहे उनके बारे में हमें बतलायें हमारा महाविद्यालय परिवार हमारे संस्था के सहयोग से उन्हें तंबाकू एवं नशा छोड़ने में मदद करेगी ।

डॉ. बैद्यनाथ कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आप सौभाग्यशाली हैं आपने खाकी वर्दी पहनी है और इस वर्दी के माध्यम से लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं । आपका यह नशामुक्त राज्य और राष्ट्र बनाने का प्रयास एक न एक दिन अवश्य सफल होगा । डॉ. खातिर हेमरोम ने कहा आप एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा हर वर्ष चलाए जा रहे यह जागरूकता कार्यक्रम एक न एक दिन अवश्य सफल सिद्ध होगा और हमारा समाज नशा से दूर होगा । लेफ्टिनेंट डॉ. अवध बिहारी महतो द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत एवं आभार प्रकट किया गया । उन्होंने कहा हमारा एन.सी.सी. परिवार और सरकार के द्वारा चलाया जा मुहिम हमारे समाज, राज्य, राष्ट्र और विश्व को तंबाकू एवं नशामुक्त करने का एक सफल प्रयास है । इसके द्वारा लोगों को जागरूक कर तंबाकू और मद्यपान से दूर किया जा सकता है । विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1987 में शुरू किया गया ℨविश्व तंबाकू निषेध दिवसℨ जो आज के दिन आयोजित किया जाता है, उसकी सार्थकता सिद्ध होगी । तम्बाकू सेवन जीवन को विनाश की ओर ले जाती है । तंबाकू और नशा सेवन से जीवन बर्बाद हो जाता है । खुद नशा छोड़े और औरों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर हमारे राज्य राष्ट्र के साथ पूरे विश्व को नशामुक्त और स्वस्थ बनाया जा सकता है । उनके द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी, उपस्थित मीडियाकर्मी जिन्होंने छायाचित्र लेने के लिए अपना बहुमूल्य समय दिया के साथ अप्रत्यक्ष रूप से अन्य मीडियाकर्मियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया, जिनका सहयोग इस मुहिम को सफल बनाने में हमेशा मिलता रहा है ।

इस अवसर पर कैडेट गुलाब कुमार, प्रदीप कुमार, विवेक कुमार, लक्षिता कश्यप एवं नंदिनी कुमारी द्वारा भी नशा से होने वाले हानि के बारे बतलाया गया । नशामुक्ति के प्रयास के विचार भी दिए गए । प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । कैडेट रोहिता एक्का, अंजली तिग्गा, मनीता उरांव, सीमा कुमारी, अमित कुमार एवं अनमोल कुमार द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया । गोष्ठी का संचालन कैडेट लक्षिता कश्यप द्वारा किया गया ।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सार्जेंट अमित कुमार सिंह, कॉरपोरल कुमार शानू, लांस कॉरपोरल विशाल कुमार एवं कैडेट अभिषेक कुमार शर्मा की महती भूमिका रही ।

संत मिखाएल महागिरजाघर में 154 लोगों ने लिया दृढ़ीकरण संस्कार

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के तोरपा रोड स्थित संत मिखाएल महागिरजाघर में रविवार को 154 मसीही विश्वासियों का दृढ़ीकरण संस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर विशप विनय कण्डुलना की अगुवाई में विशेष मिस्सा अनुष्ठान किया गया। मौके पर, ईसा मसीह के संदेश सुनाते हुए बिशप विनय कण्डुलना ने कहा कि जीवन को प्रभु के बताए मार्ग पर चलकर ही आगे बढ़ाने में लाभ मिलेगा। क्योंकि ईसा मसीह ने प्रेम को जीवन का आधार माना है। हम सभी को जो संस्कार प्राप्त हुआ है उसे जीवन में उतारना है। वहीं शांति के मार्ग तक ले जाएगा।

इस मौके पर फादर बिशु बेंजामिन आइंद वीजी, फादर निकोलस हुन्नी पूर्ती, फादर नमजन टोपनो, फादर जॉर्ज हेमरोम, फादर सुरेश समद, फादर अनुप गुड़िया और फादर पैट्रिक बारला प्रमुख रूप से शामिल थे ।पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक प्रार्थना में भाग लेते हुए शांति, प्रेम और सामाजिक सौहार्द की कामना की। महागिरजाघर में पूरे दिन धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल बना रहा।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के तहत धनबाद मंडल में स्वच्छता अभियान चलाया गया

धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 के अवसर पर रेल प्रशासन द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत सफाई कर्मियों द्वारा विभिन्न रेलवे स्टेशनों के परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों से कचरा तथा प्लास्टिक अपशिष्ट हटाया गया, साथ ही रेलवे ट्रैक के किनारों की भी व्यापक सफाई की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य रेलवे स्टेशनों, उनके आसपास के परिसरों तथा रेलवे भूमि पर विकसित पार्कों एवं उद्यानों को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखना तथा स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था।

मंदिर के गेट पर फंदे से झूल कर युवक ने दे दी जान, इलाके में फैली सनसनी

रांची(बिभा): राजधानी रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित हिनू इलाके से रविवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई. हिनू स्थित सब-रजिस्ट्री कार्यालय के सामने बने हनुमान मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक युवक का शव फंदे से लटका मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय स्थानीय लोगों की नजर मंदिर के लोहे के गेट पर पड़ी, जहां एक युवक फंदे के सहारे झूलता दिखाई दिया. यह दृश्य देखते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई. घटना की सूचना तुरंत डोरंडा थाना पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया. जांच के दौरान मृतक की पहचान लोअर हिनू निवासी सोनू कुमार, पिता रमेश लोहरा, के रूप में की गई. पुलिस ने आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है. शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है. घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं. वहीं पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा. फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है.

गुटुहातु के आवासीय विद्यालय में 50 शय्या का छात्रावास विद्यार्थियों को जल्द मिलेगा

खूँटी (बिभा)। मुरहू प्रखंड अंतर्गत गुटूहातु गाँव स्थित आदिवासी बालक आवासीय विद्यालय के लिए 50 शय्या वाला छात्रावास का रविवार को आधारशिला रखी गई। इस मौके पर खूँटी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्षेत्र के जनप्रतिनिधि कालीचरण मुण्डा और खूँटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि रामसूर्या मुण्डा ने विधिवत आधारशिला रखी। जो कि ग्रामीण जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियों को वर्षों से जर्जर छात्रावास भवन में रह रहे थे। इस समस्या के कारण आदिवासी बालक आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को अब नया आशियाना मिलेगा। वहीं पुराने जर्जर भवन को ध्वस्त कर उसी जगह पर नया भवन करीब 2 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से 50 बेड का छात्रावास बनाया जाएगा। उद्घाटन के दौरान कालीचरण मुंडा ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता दिखाई देना चाहिए। क्योंकि विद्यार्थियों का भविष्य इसी विद्यालय से उज्जवल होनेवाला है। राम सूर्या मुण्डा ने कहा कि झारखंड सरकार हमेशा आदिवासी कल्याण के लिए आगे रहा है। जो कि यह छात्रावास जनजातीय बच्चों के लिए कारगर सिद्ध होगा। ग्रामीणों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कहा कि स्थानीय लोग कार्य पर निगरानी करेंगे। ताकि निर्माण कार्य में गुणवत्ता दिखाई दे। इस मौके पर, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

श्रावक मांझी समाज की मासिक बैठक में किया गया समिति विस्तार

खूँटी(बिभा) । राजस्थान भवन में रविवार को श्रावक मांझी समाज की बैठक की गयी । जिसमें जिले के विभिन्न गाँवों से समाज के लोग शामिल होकर संगठन को मजबूत बनाने के लिए मंत्रणा किया। साथ ही, संगठन को सही तरीके से संचालन करने के लिए जिला समिति का गठन किया गया। जिसमें हेसेल गांव निवासी संजय कुमार मांझी को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया। वहीं सुंदारी के पुरेंद्र मांझी को उपाध्यक्ष, माहिल के दयानंद मांझी को सचिव, हांसा के राकेश मांझी को उप सचिव, माहिल के प्रतिम मांझी को कोषाध्यक्ष तथा सुमन कुमार मांझी को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया। साथ ही, संयोजक सह प्रवक्ता के लिए घाघरा के प्रसून कुमार मांझी को चुना गया है। साथ ही, संगठन का विस्तार करते हुए गणेश मांझी, राजकुमार मांझी, सुबोध मांझी , अनित मांझी, अनुप मांझी, शिवकुमार मांझी, जगदीश मांझी एवं सुभाष मांझी तथा गिरधारी मांझी को संगठन मंत्री का जिम्मेदारी दी गई है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर उप-कारागार में बंदियों हेतु जन-जागरण कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के उपकारा में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूँटी के द्वारा रविवार को सदर अस्पताल के सहयोग से जन जागरण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान विचाराधीन कैदियों के बीच स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी दी गयी।

मौके पर, पूनम एक्का ने बंदियों को तंबाकू के विभिन्न स्वरूपों में सेवन की कुप्रवृत्तियों एवं उससे होने वाले दीर्घकालिक स्वास्थ्य-संबंधी दुष्प्रभावों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित नशा-मुक्ति केंद्र के संबंध में भी बताया तथा बंदियों से अपील की कि वे स्वयं को इन पदार्थों से दूर रखें एवं इस जानकारी का प्रचार-प्रसार अन्य लोगों के बीच भी करें। मौके पर, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश बेहरा ने तंबाकू उत्पादों के सेवन के विरुद्ध संवैधानिक प्रावधानों एवं विभिन्न विधियों का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने भारत के संविधान के अनुच्छेद 47 की चर्चा करते हुए बताया कि यह अनुच्छेद राज्य पर पोषण स्तर बढ़ाने, लोक स्वास्थ्य में सुधार करने तथा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीले पदार्थों के सेवन के निषेध का दायित्व अधिरोपित करता है। उन्होंने सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 (कोटपा) के दंडात्मक प्रावधानों, किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 77 तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रासंगिक प्रावधानों पर भी विस्तार से चर्चा की।

विधिक सहायता बचाव परामर्शी सहायक अमरदीप कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट प्रतिषेध अधिनियम के बारे जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा इसके दंडात्मक प्रावधानों की भी जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूँटी के माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श के क्षेत्र, प्राधिकार की संरचना एवं कार्य-प्रणाली तथा बंदियों के विधिक प्रतिनिधित्व के अधिकार के संबंध में सभी बंदियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बंदियों एवं पदाधिकारियों को ℨतंबाकू निषेध शपथℨ दिलाई गई, जिसमें सभी ने तंबाकू एवं तंबाकू-जनित उत्पादों का सेवन न करने तथा अपने परिवार एवं समाज में इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश बेहरा की उपस्थिति में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, खूंटी की सामाजिक कार्यकर्ता पूनम एक्का, सदर अस्पताल, खूंटी के फिजियोथेरेपिस्ट वीर सिंह पूर्ति, विधिक सहायता बचाव परामर्शी सहायक अमरदीप कुमार, पारा विधिक स्वयंसेवक अजय मिश्रा तथा उप-कारागार, खूंटी की चिकित्सा टीम ने भाग लिया।

बोलेरो ने मोटरसाइकिल को मारा धक्का , दो लोग घायल

खूँटी (बिभा)। जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बकसपुर में रेलवे स्टेशन के निकट एक बोलेरो द्वारा मोटरसाइकिल चालक को धक्का मारने से तीन लोग घायल हो गये । घायलों की पहचान जरिया जवांकेल के बताए जा रहे हैं। सत्ताया जा रहा है कि रविवार को स्टेशन से निकलकर घर जाने के लिए एक मोटरसाइकिल में दो बच्चों को लेकर निकले ही थे कि अचानक एक बोलेरो पीछे से जोरदार धक्का मार दिया । जिस धक्के से मोटरसाइकिल में सवार लगभग 10-11 वर्ष का लड़का का दाहिना पैर टूट गया और लगभग 07 वर्ष की बच्ची के पैर में गम्भीर चोटें आयी है । जबकि मोटरसाइकिल चालक को मामूली चोटें आयी है। इन सभी को बकसपुर पिकेट के आरक्षी द्वारा सदर अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ दोनों बच्चे बच्चियों का उपचार किया जा रहा है।

खूंटी के विभिन्न क्षेत्रों में सुना गया मन की बात का 129 वाँ एपिसोड

खूँटी (बिभा)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा प्रसारित कार्यक्रम मन की बात का 129वाँ अंश को खूंटी जिले के भाजपा कार्यकताओं सहित आम ग्रामीणों ने रविवार को मन लगाकर सुना। मन की बात कार्यक्रम में जगह जगह लोगों ने मोबाईल , टीवी आदि से सुना । जिसमें देश के अलग अलग हिस्सों के लोगों का उदाहरण देते हुए दूसरे क्षेत्रों में उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लोगों को आगे बढ़ाने का कार्य किया । इस दौरान भाजपा जिला कार्यालय सहित विभिन्न मण्डल, गाँव व अपने अपने घरों में भी लोगों ने सुनकर और देखकर लाबी लिया।

मारवाड़ी युवा मंच के रक्तदान शिविर में 42 लोगों ने किया रक्तदान

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहर के बीच डाक-बंगला रोड स्थित राजस्थान भवन में रविवार को मारवाड़ी युवा मंच, खूंटी नगर शाखा के द्वारा रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। उक्त शिविर में कुल 42 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, वहीं स्वास्थ्य जांच शिविर में 45 लोगों की निःशुल्क जांच की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंच के पदाधिकारियों, सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों, ऑर्किड हॉस्पिटल रांची और सदर अस्पताल खूंटी की टीम द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। रक्तदान शिविर का आयोजन ऑर्किड हॉस्पिटल और सदर अस्पताल खूंटी के सहयोग से हुआ।शिविर में रक्तदान करके मानव सेवा के कार्य में अपनी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर अध्यक्ष राजेश मिश्रा, सचिव गौरव जैन, कोषाध्यक्ष प्रिंस अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भाला, अखिल सरावगी, निवर्तमान अध्यक्ष अंकित जैन, संयोजक विशाल जैन, उपाध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल, मीडिया प्रभारी संदीप पिपुरिया समेत मंच के कई सदस्य उपस्थित थे।

राढू नदी पुल की बदहाल स्थिति से बढ़ी लोगों की चिंता

बिभा संवाददाता

बुंडू। सिल्ली-रंगामाटी मुख्य मार्ग पर सालसुद गांव के समीप राढू नदी पर स्थित पुल अत्यंत जर्जर और खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। पुल के कई हिस्सों से कंक्रीट उखड़ चुकी है तथा लोहे के सरिये बाहर दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद पुल से भारी वाहनों का आवागमन लगातार जारी है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, रांची ग्रामीण द्वारा पुल की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग केवल सतही मरम्मत कर खानापूर्ति कर रहा है। उनका कहना है कि बाहर निकले सरियों पर केवल सीमेंट की परत चढ़ाई जा रही है, जिससे पुल की वास्तविक मजबूती सुनिश्चित नहीं हो पा रही है।

पुल की गंभीर स्थिति को देखते हुए कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल रांची (ग्रामीण) द्वारा मरम्मत कार्य के दौरान पुल को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है। विभाग की ओर से इस संबंध में सूचना बोर्ड भी लगाया गया है। इसके बावजूद प्रशासनिक निगरानी के अभाव में दिन-रात भारी वाहनों का आवागमन जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने हाल ही में खूंटी जिले में पुलिया धंसने की घटना का हवाला देते हुए प्रशासन को आगाह किया है।

मानसून के आगमन से पहले स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। बरसात के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने तथा तेज बहाव के कारण पुल पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा, जिससे इसके क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ जाएगा। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से जर्जर पुल पर भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने, बैरिकेडिंग कर सख्ती से आदेश का पालन कराने, वैकल्पिक मार्ग से वाहनों का परिचालन सुनिश्चित करने तथा अविलंब नए पुल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। फोटो

रेलवे ट्रैक के किनारे निजी भूमि पर पेड़ों की समस्या से प्री-मानसून सुरक्षा अभियान प्रभावित, पूर्वी रेलवे ने जनता से मांगी मदद

बिहान भारत

कोलकाताः 29 मई को सियालदह डिवीजन में भारी बारिश और भीषण तूफान के कारण ट्रेन सेवाओं के बाधित होने के बाद, पूर्वी रेलवे ने रेलवे ट्रैक के किनारे रहने वाले नागरिकों से एक महत्वपूर्ण अपील की है। रेलवे ने स्थानीय निवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने परिसर में मौजूद पेड़ों की खतरनाक शाखाओं को खुद छांटें या रेलवे टीमों का पूरा सहयोग करें, ताकि ओवरहेड तारों में रुकावट, जानलेवा दुर्घटनाओं और यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचा जा सके।

पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्वी रेलवे ने निवासियों के लिए एक विशिष्ट गाइडलाइन जारी की हैः पेड़ों की छंटाई इस तरह से की जानी चाहिए कि यदि पूरा पेड़ भी ट्रैक की तरफ गिर जाए, तो किसी भी शाखा और निकटतम ट्रैक के बीच की दूरी कम से कम 3 मीटर होनी चाहिए। गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने और निर्बाध ट्रेन परिचालन के लिए इस बफर जोन को बनाए रखना बेहद जरूरी है।

कल आए अचानक तूफान के कारण दमदम, कल्याणी, बारासात और सोनारपुर सहित बारह महत्वपूर्ण स्थानों पर पेड़, भारी शाखाएं और निजी बैनर-फेस्टून पटरियों और ओवरहेड बिजली की तारों पर गिर गए थे। हालांकि पूर्वी रेलवे की आपातकालीन रैपिड एक्शन टीमों ने खराब मौसम में भी पटरियों को साफ करने और बिजली बहाल करने के लिए तत्परता से काम किया, लेकिन इस घटना ने एक संवेदनशील मुद्दे को उजागर किया हैः अधिकांश खतरनाक पेड़ रेलवे भूमि के आस-पास की निजी संपत्तियों में स्थित हैं। इस तरह की समस्याओं से निपटने के लिए पूर्वी रेलवे वर्तमान में पूरे जोन में 26,509 संवेदनशील पेड़ों को हटाने का एक व्यापक प्री-मानसून अभियान चला रहा है। पूरे नेटवर्क में अब तक 21,384 पेड़ों को सफलतापूर्वक साफ किया जा चुका है, लेकिन निजी भूमि से जुड़ी जटिलताओं के कारण अंतिम चरण के काम में रुकावट आ रही है।

अकेले अत्यधिक प्रभावित सियालदह डिवीजन में, 7 जून की समय सीमा से पहले हटाए जाने वाले शेष 735 खतरनाक पेड़ों में से 351 पेड़ निजी भूमि पर स्थित हैं। रेलवे इन संपत्ति मालिकों को सक्रिय रूप से कानूनी नोटिस भेज रहा है, लेकिन प्रशासन का मानना है कि मानसून की शुरूआत से पहले सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक जागरूकता और स्वैच्छिक सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। आसनसोल, हावड़ा और मालदा डिवीजनों में भी भूमि विवाद और पहुंच प्रतिबंधों के कारण सुरक्षा क्लीयरेंस का काम धीमा हो गया है।

पूर्वी रेलवे यात्रियों को हुई अस्थायी असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता है और दोहराता है कि यात्री सुरक्षा सर्वोपरि है। व्यापक जनहित के लिए नागरिकों का रेलवे प्रशासन के साथ सहयोग करना अनिवार्य है। रेलवे जनता से यह समझने का आग्रह करता है कि निजी संपत्ति पर मौजूद एक बिना कटी हुई शाखा भी हाई-वोल्टेज ओवरहेड लाइनों को तोड़ सकती है, जिससे हजारों यात्री अधर में लटक सकते हैं और गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

नागरिकों की इस सहभागिता पर जोर देते हुए पूर्वी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझी ने कहा, ℨहमारी फील्ड टीमों ने कल के तूफान के बाद सेवाओं को बहाल करने में अद्भुत चपलता दिखाई, लेकिन प्रकृति के इस प्रकोप से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। हम रेलवे ट्रैक के पास रहने वाले नागरिकों से ईमानदारी से अपील करते हैं कि वे अपनी संपत्तियों का निरीक्षण करें, अनिवार्य 3-मीटर की सुरक्षा दूरी बनाए रखना सुनिश्चित करें, और हमारे इंजीनियरिंग कर्मियों के आने पर उनका सहयोग करें। व्यापक जनहित के लिए, हमारी ओवरहेड लाइनों को सुरक्षित रखना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com